5 अक्टूबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

विसर्जन के दौरान डूबे दो युवक, मचा कोहराम

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बस्तर की शांति भंग करने वालों पर होगी कार्रवाई : अमित शाह

31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को दोहराया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को माओवादियों से किसी भी तरह से बातचीत की संभावना से इंकार करते हुए कहा कि वे आत्मसमर्पण करें और बस्तर के विकास में सहभागी बनें। शाह ने जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव , 2025 और ह्लस्वदेशी मेलाह्ल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एक बार फिर 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को दोहराया। गृह मंत्री ने कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल मुंहतोड़ जवाब देंगे। बस्तर क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सभी आदिवासी भाइयों बहनों को कहना चाहता हूं कि आपके ग्राम के युवाओं को हथियार डालने के लिए समझाइए। वह हथियार डाल दें, मुख्यधारा में आएं तथा बस्तर के विकास में सहभागी बनें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर में माओवादियों से वार्ता की संभावना से इनकार करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण कर विकास में शामिल होने को कहा। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प दोहराया। शाह ने कहा कि नक्सलवाद ही बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है।

क्षेत्र के विकास को समर्पित है सरकार

उन्होंने कहा कि कुछ लोग वार्ता की बात करते हैं, मैं फिर से एक बार स्पष्ट कर देता हूं, हमारी दोनों सरकारें - छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार - बस्तर और नक्सल प्रभावित हर क्षेत्र के विकास को समर्पित है, किस चीज की वार्ता करनी है, बहुत मोहक आत्मसमर्पण नीति हमने बनाई है, आइए हथियार डाल दीजिए। हथियार के बल पर बस्तर की शांति को अगर आपने छिन्न-भिन्न करने का काम किया तो हमारे सशस्त्र बल इसका जवाब देंगे। 31 मार्च 2026 की तिथि नक्सलवाद को इस देश की भूमि पर से विदाई देने के लिए तय है।

नक्सलवाद को बताया सबसे बड़ा रोड़ा

केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद को बस्तर के विकास के लिए सबसे बड़ा रोड़ा बताया और विश्वास जताया कि अगले वर्ष तक यह समस्या समाप्त हो जाएगी। शाह ने कहा कि आज सुबह मैंने दंतेश्वरी माई का दर्शन और पूजन किया। मां के चरणों में प्रार्थना की है कि 31 मार्च, 2026 को पूरे बस्तर क्षेत्र को लाल आतंक से मुक्त करने की हमारी सुरक्षा बलों को शक्ति दे। कुछ लोगों ने वर्षों तक भ्रांति फैलाई उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुछ लोगों ने वर्षों तक भ्रांति फैलाई कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई है, पर मैं आदिवासी भाइयों को बताने आया हूं कि पूरा बस्तर विकास से महरूम रहा, विकास आप तक नहीं पहुंचा है इसका मूल कारण नक्सलवाद है। आज देश के हर गांव में बिजली, पीने का पानी, रोड, हर घर में शौचालय, पांच लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा, पांच किलो मुफ्त चावल और आपके धान को 3100 रूपए (प्रति क्विंटल) तक पहुंचाने की व्यवस्था हुई है। लेकिन बस्तर इसमें पीछे रह गया है।

6 एके-630 एयर डिफेंस गन खरीदने का टेंडर, 3000 राउंड प्रति मिनट फायरिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन आर्मी ने पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों के पास बसे आबादी और धर्मिक स्थलों की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कदम उठाया है। आर्मी ने इसके लिए छह एके-630 30 एमएम गन खरीदने का टेंडर जारी किया है। इस कदम को मिशन सुदर्शन चक्र की मुख्य आधारशिला के तौर पर देखा जा रहा है। असल में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सीधे हमले किए थे, जिनमें नागरिक और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया। जिसके बाद यह टेंडर जारी किया गया है। मिशन सुदर्शन चक्र 2035 तक भारत की एक बहु-स्तरीय, स्वदेशी सुरक्षा ढांचा बनाने की योजना है, जिसमें निगरानी, साइबर सुरक्षा और एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत बनाना शामिल है, ताकि महत्वपूर्ण स्थलों को विभिन्न प्रकार के हमलों से सुरक्षित किया जा सके। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मिशन का ऐलान किया था। इसका उद्देश्य न केवल सुरक्षा प्रदान करना है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत रक्षा प्रौद्योगिकी में स्वावलंबन बढ़ाने के साथ संभावित आक्रामक क्षमता भी विकसित करना है।

छह करोड़ बच्चों के अभिभावकों को राहत

आधार बायोमेट्रिक अपडेट कराने पर नहीं लगेगा शुल्क

एजेंसी। नई दिल्ली

बच्चों के आधार बायोमेट्रिक अपडेट के लिए अब कोई शुल्क नहीं लगेगा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने बच्चों के आधार बायोमेट्रिक अपडेट के लिए शुल्क छूट की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि शुल्क माफी एक अक्तूबर से प्रभावी भी हो चुकी है। बयान में कहा गया है कि जनहित में यह कदम उठाते हुए यूआईडीएआई ने अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-1) के लिए सभी शुल्क माफ कर दिए हैं। इस कदम से करीब 6 करोड़ बच्चों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे का फोटो, नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाणपत्र उपलब्ध कराकर आधार के लिए नामांकन किया जाता

है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे के आधार नामांकन के लिए उनके फिंगरप्रिंट और आईरिस बायोमेट्रिक्स नहीं लिए जाते, क्योंकि उस उम्र तक ये परिपक्व नहीं होते। मौजूदा नियमों के अनुसार, पांच वर्ष की आयु के बाद बच्चों के आधार में अंगुलियों के निशान, आंखों की पुतलियों और फोटो को अनिवार्य रूप से अपडेट करना आवश्यक है तथा दूसरा अपडेट 15-17 वर्ष की आयु के बीच किया जाना आवश्यक है। ये अपडेट 5-7 वर्ष की आयु के बच्चों और 15-17 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बिना किसी शुल्क के उपलब्ध हैं। इसके बाद प्रति एमबीयू 125 रुपये का शुल्क लिया जाता है। इस निर्णय से एमबीयू अब 5-17 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए प्रभावी रूप से निःशुल्क हो गया है। अब यूआईडीएआई के इस फैसले के बाद 5-17 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए बायोमेट्रिक अपडेट मुफ्त होगा। इस निर्णय के साथ एमबीयू अब 5-17 आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए प्रभावी रूप से मुफ्त है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए आधार कार्ड के नियम अलग हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे के फिंगरप्रिंट और आईरिस बायोमेट्रिक्स को आधार नामांकन के लिए कैप्चर नहीं किया जाता है। पांच साल से कम उम्र का बच्चा फोटो, नाम, जन्म तिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र प्रदान कर-के आधार के लिए नामांकन करते हैं। अब जब भी इन बच्चों को अपना बायोमैट्रिक अपडेट कराना होगा तो एक भी रुपये की फीस नहीं लगेगी। बच्चे के पांच वर्ष की आयु तक पहुंचने पर पहला अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कराना होता है। यह अपडेट बच्चे के आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस और फोटो को शामिल करता है। इसी प्रकार बच्चे को 15 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर एक बार फिर से बायोमेट्रिक्स अपडेट करने की आवश्यकता होती है। इसे दूसरा अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट कहा जाता है। माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों के बायोमेट्रिक्स को प्राथमिकता के आधार पर अपडेट करने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करेगा कि बच्चे विभिन्न सरकारी और शैक्षिक योजनाओं का लाभ उठा सकें। यह फैसला बच्चों के लिए आधार सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाएगा। यह बच्चों के लिए आधार के महत्व को भी रेखांकित करता है।

बीजेपी की कठपुतली है चुनाव आयोग : जयराम

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कई गड़बड़ियां होने का दावा किया और आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता की बी टीम के रूप में काम करते हुए पूरी तरह से निर्लज्जता पर उतारू है तथा एसआईआर की प्रक्रिया का मकसद भाजपा व उसके मित्र दलों को राजनीतिक लाभ पहुंचाना है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि आयोग को बीजेपी की कठपुतली की तरह नहीं दिखना चाहिए।आपको बता दें कि चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद बिहार की

अंतिम मतदाता सूची गत 30 सितंबर को प्रकाशित कर दी, जिसके अनुसार राज्य में कुल 7.42 करोड़ मतदाता हैं। कांग्रेस नेता ने ह्लनिर्वाचन आयोग ने एसआईआर का पूरा खेल ही बीजेपी के इशारे पर रचा है। अंतिम एसआईआर में निर्वाचन आयोग के सुधार के दावे भी गलत साबित हो रहे हैं। बिहार के सभी इलाकों से ऐसी खबरें आ रही हैं जो इस बात की पुष्टि करती हैं कि पूरी प्रक्रिया का मकसद भाजपा व उसके मित्र दलों को राजनीतिक लाभ पहुंचाना है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद अंतिम सूची में भी तमाम गड़बड़ियों के मामले बताते हैं कि चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों की भी कोई परवाह नहीं है तथा भाजपा की ह्लबी टीमह्ल के रूप में काम कर रहा यह आयोग पूरी तरह से निर्लज्जता पर उतर चुका है।

बिहार चुनाव : कांग्रेस के अशोक गहलोत और भूपेश बघेल बने पर्यवेक्षक

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को कांग्रेस ने अहम नियुक्तियां की. पार्टी ने सीनियर पर्यवेक्षकों के नाम का ऐलान किया। कांग्रेस ने अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और अधीर रंजन चौधरी को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया। कांग्रेस ने दो पूर्व सीएम और एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पर भरोसा जताया। अशोक गहलोत राजस्थान तो भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के सीएम रह चुके है। वहीं अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष रहे हैं। इन नेताओं के अनुभव को देखते हुए पार्टी ने बिहार के चुनाव में इन्हें जिम्मेदारी

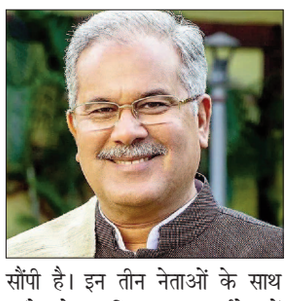

सौंपी है। इन तीन नेताओं के साथ कांग्रेस ने 41 जिला चुनाव पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति की है। इसमें अविनाश पांडे, भक्त चरण दास, अजय राय, अनील चौधरी, बीवी श्रीनिवास, विक्रांत भूरिया, इरफान अंसारी, रोहित चौधरी और अनील चोपड़ा सहित अन्य नेता शामिल हैं।

पीएम मोदी ने सराहा; बोले : यह जनभागीदारी का बेहतरीन उदाहरण

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान हुआ पूरा : जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत देश भर में लगभग 18 लाख स्वास्थ्य शिविरों में 6.5 करोड़ महिलाओं की जांच की गई है। नड्डा ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह अभियान मजबूत परिवारों और संपन्न समुदायों के लिए महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता देने के

राष्ट्र के सामूहिक संकल्प को उजागर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सफलता के साथ अभियान के पूरा होने की सराहना की। पीएम ने कहा, यह सराहनीय प्रयास है, उन सभी को बधाई जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम कर-के इसे इतना प्रभावशाली और हमारी नारी शक्ति के लिए लाभकारी बनाया है। यह जीवन को बेहतर बनाने के लिए जनभागीदारी का एक बेहतरीन उदाहरण है। वहीं, नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को यह अभियान शुरू किया था। दो हफ्ते तक चला स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान ने देश भर में लगभग 18 लाख स्वास्थ्य शिविरों से छह करोड़ 50 लाख महिलाओं की जांच की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद दो अक्तूबर को संपन्न हुआ। उन्होंने कहा, यह असाधारण उपलब्धि महिलाओं के सेहत को मजबूत परिवारों और समृद्ध समुदायों के केंद्र में रखने के राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का प्रमाण है।

90 लाख खर्च के बाद भी गंदगी और जलजमाव से नगरवासियों को नहीं मिली मुक्ति

- मुख्य रोड से लेकर संपर्क सड़क तक जलजमाव की चपेट में रहा, जिससे पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिये एनजीओ को बहाल किया गया है। इस एनजीओ पर नप प्रतिमाह 90 लाख रूपया खर्च करता है, लेकिन शहर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। उसी तरह से जल निकासी की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण नगर के चारोतरफ जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। इस जलजमाव की चपेट में पहले

नगर के मोहल्ला और गलियां हुआ करती थी, लेकिन अब इसकी दायरा बढ़कर मुख्य सड़क और चौक-चौराहा तक पहुंच गई है। बिते रात हुई बारिश ने नगर परिषद की सफाई और जलजमाव की व्यवस्था को दुरूस्त करने पर पानी फेर दिया है। ट्रेन से उतरने के बाद जैसे ही यात्री चाहे नगर का हो या ग्रामीण क्षेत्र को बाहर आते हैं, उन्हें जलजमाव का सामना करना पड़ता है। जैसे आप आगे बढ़ियेंगा समस्या और बढ़ती जाएगी। डुमरांव रेलवे स्टेशन से सटे टैक्सटाईल्स कॉलोनी आता है, जो बहुमंजिले इमारतों के लिये जाना जाता है, पूरी तरह से जलजमाव से घिरा हुआ है, जिससे लोगों को बाहर निकलना भी मुश्किल है। इस कॉलोनी के लोग अपने बच्चों को स्कूल जाने के लिये गोद में उठाकर वाहन तक छोड़ने आते हैं। इससे आगे बढ़ने पर लालगंज कड़वी का मोहल्ला आता है, जो पानी से पूरी तरह से डूब चुका है। इस मोहल्ले में सबसे अधिक गरीब परिवार रहते हैं, जिनका घर नीचे पड़ता है, जलजमाव होने से इनके घरों में पानी प्रवेश करने लगता है, जिससे उन्हें रात जागकर गुजारनी पड़ती है। इससे थोड़ा दिर बढ़ने पर खिरौली मुहल्ला आता है, इसकी हालत काफी दयनीय बनी हुई है। मुख्य सड़क स्टेशन रोड से जैसे ही खेरौली मोहल्ला में प्रवेश करेंगे जलजमाव की समस्या सामने मिलेगी। सुलभ शौचालय भी पानी से पूरी तरह से घिर गया है, जिससे महिलाओं और बच्चों को जाने में काफी परेशानी होती है। सबसे बड़ी त्राशदी की बात यह है कि प्रखंड कार्यालय में प्रवेश करने के बाद जलजमाव से ही लोगों का सामना होता है। इसी तरह से प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थापित पीएचसी और रजिस्ट्री कार्यालय में जाने पर होता है, क्योंकि सभी के मुख्य गेट पर जलजमाव है। सबसे आश्चर्य इस बात पर आता है कि नप कार्यालय मुख्य गेट के सामने एनएच पूरी तरह से पानी में डूब चुका है, जिसे देख लोग देख फब्तियां कसते नजर आते हैं। फिर महरौरा मोड़ और राज हाईस्कूल खेल मैदान गेट के जलजमाव लगभग एक दशक से चलते आ रहा है, लेकिन इसे दूर करने के लिये कोई कार्य नहीं हुए और स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव में तालाब में जबकि आहर में डूब गया डुमरांव थाना क्षेत्र के रजडीहा का युवक

विसर्जन के दौरान डूबे दो युवक, मचा कोहराम

- प्रतिमा विसर्जन जुलूस में शामिल थे दोनों, दोनों गांवों में छाई है मायूसी

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार की देर शाम प्रतिमा विसर्जन के दौरान अलग-अलग हादसों में दो युवको की डूबने से मौत हो गई है। इन हादसों से दोनों गांवों में दशहरा की खुशी मातम में बदल गई है। वहीं, पुलिस दोनों शवों को पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप चुकी है।

पहली घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव की है। यहां प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। मूर्ति विसर्जन के

दौरान गांव के काली मंदिर पोखरा में पांच युवक डूबने लगे थे, जिनमें चार को बचा लिया गया, जबकि एक युवक डूब गया।

मृतक की पहचान रोहित कुमार (19) पिता शशिभूषण गुप्ता के रूप में हुई है। इस घटना के बाद गांव में अफरा तफरी मच गई।

हालांकि ग्रामीणों ने उसे कुछ देर में ही पानी से बाहर निकाल अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। जबकि घटना की जानकारी मिलते ही कृष्णाब्रह्म पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दी। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि की है।

बताया जाता है कि मृतक सामाजिक प्रवृति का था तथा गांव में आयोजित दुगार्पूजा समिति का वह अग्रणी सदस्य था। यही कारण है कि उसकी मौत के बाद पूरे गांव में मायूशी छाई है। वही स्वजनों के अलावे समिति सदस्यों का भी रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

रजडीहा एकौनी मोड़ के पास आहर में डूबा युवक

दूसरी घटना डुमरांव थाना क्षेत्र के राजडीहा एकौनी मोड़ स्थित आहर की है, जहां प्रतिमा विसर्जन के दौरान राजडीहा गांव निवासी 22 वर्षीय रुपेश तिवारी पिता नर्वदेश्वर तिवारी का संतुलन बिगड़ गया तथा वह गहरे पानी में डूब गया। जब तक लोग माजरा समझते तथा उसे बचाने का प्रयास करते तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। स्थानीय पुलिस घटना की सूचना पर मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था तथा आरा के एचडी जैन कॉलेज में स्नातक अंतिम वर्ष का छात्र था। बताया जा रहा है कि वह काफी मेधावी था। वह अपने गांव के कुछ युवकों के साथ मिल दुर्गा पूजा किया था। शुक्रवार को प्रतिमा विसर्जन के दौरान हादसे का शिकार हो गया। बताया जाता है कि उसके दो भाई खाड़ी देशों में नौकरी करते हैं। घटना के बाद से परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है। गौरतलब हो कि एक ही दिन दो अलग-अलग गांवों में विसर्जन के दौरान दो युवकों के डूबने से पूरे अनुमंडल क्षेत्र में मायूशी छाई है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

चौसा में बढ़ी उचक्कों की सक्रियता, पलक झपकते ही बाइक की डिग्गी तोड़ उड़ाए 20 हजार

- रूपए के साथ डिग्गी में रखा पासबुक व एटीएम कार्ड भी ले गया उचक्का, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/चौसा

चौसा इलाके में उचक्कों की सक्रियता बढ़ गई है। शनिवार की दोपहर बाद उचक्कों ने भरे बाजार एक बाइक की डिग्गी तोड़ उसमें रखे 20 हजार रूपए नगद तथा बैंक पासबुक व एटीएम कार्ड लेकर चंपत हो गया है। पलक झपकते हुई इस घटना के बाद पीड़ित सकते में आ गया है। उसने स्थानीय थाने पहुंच इसकी लिखित शिकायत दी है। जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच व उचक्के की शिनाख्त में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के हादीपुर गांव निवासी मुकेश कुमार सिंह अपनी बाइक से ग्रामीण बैंक पहुंचा और बैंक से 20 हजार की राशि निकासी की। पैसा निकालने के बाद दोपहर बाद करीब तीन बजे वह एटीएम कार्ड व पासबुक आदि कागजात तथा रुपये बाइक की डिग्गी में रख बन्द कर सड़क पार कर एक चाय-पान की दुकान पहुंचा तथा कुछ मिनट बाद जब वापस लौटा तो देखा कि उसके बाइक की डिग्गी खुली है। माजरा समझते ही उसके होश उड़ गए। पहले तो आस पास में तलाश

किया, लेकिन जब उचक्के का कोई सुराग नहीं मिला तो वह दौड़े भागे थाना पहुंचा तथा इसकी लिखित शिकायत दी। शिकायत मिलते ही पुलिस घटना स्थल के आस पास में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल उचक्के के शिनाख्त में जुट गई है।

सीसीटीवी से हुई उचक्कों की पहचान

हालांकि, मुफस्सिल पुलिस ने दावा किया है कि इस घटना में शामिल उचककों की पहचान हो गई है। पुलिस का कहना है कि इस घटना में दो उचक्कें शामिल है, दोनों की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हालांकि, फुटेज देखने से दोनों नाबालिग प्रतीत हो रहे है। पुलिस का कहना है कि उन्हें जल्दी दबोच इस मामले का उदभेदन कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, अब स्नातक युवाओं को भी मिलेगा लाभ

- रोजगार की तलाश में लगे युवाओं को मिलेगा एक रुपये महीना, निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण का भी प्रावधान

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा चुकी है। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना अब सिर्फ इंटर पास बेरोजगारों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अब स्नातक उत्तीर्ण युवक-युवतियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस फैसले से हजारों शिक्षित बेरोजगारों को राहत मिलने की उम्मीद है। बता दें कि सुशासन के कार्यक्रम 2015-20 और राज्य सरकार के सात निश्चय के अंतर्गत ह्लआर्थिक हल, युवाओं को बलह्व के तहत इस योजना की शुरूआत 2 अक्टूबर 2016 को की गई थी।

इस योजना के तहत 20 से 25 वर्ष की आयु वाले, 12वीं या समकक्ष परीक्षा पास बेरोजगार युवक-युवतियों को, जो आगे की पढ़ाई नहीं कर रहे हैं, रोजगार की तलाश के दौरान प्रति माह एक हजार रुपये सहायता राशि के रूप में अधिकतम दो वर्षों तक दी जाती है।

सात निश्चय-2 में हुआ विस्तार

राज्य सरकार ने इस योजना की उपयोगिता को देखते हुए इसे सात निश्चय-2 कार्यक्रम में भी शामिल किया। अब यह योजना वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक जारी रहेगी। इस दौरान लाखों बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहयोग के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण का भी अवसर मिलेगा।

अब स्नातक उत्तीर्ण भी होंगे लाभान्वित

सरकार ने योजना में बड़ा संशोधन करते हुए इसमें स्नातक (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) से उत्तीर्ण बेरोजगार युवक-युवतियों को भी शामिल किया है। ऐसे युवक-युवतियां, जो राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालयों से स्नातक पास हैं, किसी सरकारी, निजी या गैर-सरकारी नौकरी में नहीं हैं, और ना ही आगे पढ़ाई कर रहे हैं तो उन्हें भी अब एक हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि अधिकतम दो वर्षों तक दी जाएगी।

मिलेगा नि:शुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण

सहायता राशि के साथ-साथ राज्य सरकार इन लाभार्थियों को रोजगार या स्वरोजगार के लिए नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराएगी। श्रम संसाधन विभाग, बिहार की ओर से यह प्रशिक्षण विभिन्न आधुनिक रोजगारोन्मुख कोर्सों के माध्यम से कराया जाएगा, ताकि लाभुकों को स्थायी आजीविका का अवसर मिल सके। राज्य सरकार का लक्ष्य इस योजना के तहत प्रतिवर्ष पांच लाख लाभार्थियों तक सहायता राशि पहुंचाने का है। इसके लिए सरकार द्वारा 600 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का बजटीय प्रावधान किया गया है।

युवा सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना अब सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर करने की एक सशक्त पहल बन चुकी है। राज्य सरकार का यह कदम शिक्षित बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार योग्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

घर-घर होगी कुष्ठ मरीजों की खोज, सेविका आशा और एएनएम को मिला टॉस्क

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले से कुष्ठ रोग को जड़ से मिटाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफी सक्रिय है। इसको लेकर आशा, एएनएम, सेविकाओं को टॉस्क दिये जा रहे हैं। इसकी जिम्मेवारी जिले के हर पीएचसी प्रभारी को सौंपी गई है। शनिवार को डुमरांव पीएचसी प्रभारी डा. आर बी प्रसाद के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं सेविकाएं मौजूद रहीं। सभी को यह बताया गया कि अपने-अपने क्षेत्र के हाउस टू हाउस जाना है और घर के अभिभावक से पहले मिल अपनी बातों को रखना है, फिर परिवार के संबंध में जानकारी लेना है। घर में जितने सदस्य हैं, सभी की शारीरिक जांच करते हुए फार्म में इंट्री करना है। इंट्री किये गए फार्म के अनुसार ही अग्रेत्तर कार्रवाई होगी, लिहाजा फार्म भरने के बाद घर के

अभिभावका हस्ताक्षर होना जरूरी है। मालूम हो कि पिछले खोजी अभियान में छह मरीज डुमरांव प्रखंड में मिले थे, जिनका इलाज चल रहा है, जिससे उन्हें काफी लाभ मिला है। जरूरत के अनुसार वैसे मरीजों को पटना रेफर भी किया जाता है, जहां उन्हें सारी सुविधाएं मुफ्त में दी जाती है। भ्रमण के दौरान जिस परिवार से मिलेंगी सारी जानकारी को फार्म में भरकर जमा करना होगा। मालूम हो की कुष्ठ निवारण कार्यक्रम 6 अक्टूबर से शुरू किया जाएगा। शहर से लेकर गांव के वार्ड के हर गली, मोहल्ला में सेविका, आशा कार्यकर्ता, एएनएम को जाना है और परिवार के अभिभावक से मिल उनसे अनुरोध करते हुए हर व्यक्ति की जांकर रिपोर्ट तैयार करना होगा। भरे गए फार्म के अनुसार ही कोई मरीज मिलता है तो उसका इलाज शुरू किया जाएगा। सारी सुविधाएं मुफ्त में दी जाएगी, इसकी भी जानकारी परिवार को देना होगा। छह अक्टूबर से सभी को फिल्ड में उतर काम को शुरू कर देना है, इसकी जांच के लिये टीम भी गठित की गई है, जो कहीं भी जा सकती है। फिल्ड में किसी प्रकार की परेशानी आती है तो उसके लिये टीम से संपर्क कर सूचना दी जा सकती है, तत्काल सहायता मिलेगी।

देर रात तक जारी रहा प्रतिमाओं का विसर्जन, चप्पे-चप्पे पर मुश्तैद रही प्रशासन

छिटपुट घटनाओं को छोड़ जिलेभर में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ दशहरा मेला

- **इस बार इंद्रदेव ने डाली खलल, बिजली गायब रहने से परेशान हुए शहरवासी**

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

प्रतिमा विसर्जन के साथ ही चार दिवसीय दशहरा मेला संपन्न हो गया है। शुक्रवार की देर रात तक प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला जारी था। पूजा समितियों के सदस्य प्रतिमाओं के साथ नाचते गाते हुए जलूस निकाल अपने नजदीकी या प्रशासन द्वारा निर्धारित जलाशयों तक पहुंच रहे थे, तथा अश्रुपुरित नेत्रों से मां दुर्गा समेत अन्य प्रतिमाओं का विसर्जन कर वापस लौटे। इस दौरान अरियांव तथा रजडीहा गांवों में प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए अलग-अलग हादसों में दो युवकों की जान चली गई। इसके पहले चार दिवसीय दशहरा मेला में बच्चों ने जमकर लुफ्त उठाया था बक्सर में दशहरा मेला के दौरान आयोजित रामलीला आकर्षण का केन्द्र बना रहा। विजयादशमी के दिन आयोजित रावण वध के दौरान बड़ी संख्या में लोग किला मैदान पहुंचे थे।

बारिश ने बिगाड़ा खेल, डुमरांव में मायूश दिखे दुकानदार

दशहरा मेला के दौरान बक्सर तथा डुमरांव के अलावे जिलेभर में झमाझम बारिश हुई है। इस बारिश से मेला का उत्साह कुछ देर के लिए ठंडा पड़ गया था। खासकर मेला के दौरान दो दिन शाम में हुई बारिश से मजा किरकिरा हो गया। जिस कारण दुकानदारों को मायूशी झेलनी पड़ी है। बारिश से सबसे अधिक परेशानी शहरी क्षेत्रों खासकर डुमरांव में हुई।

बता दें कि पिछले एक महीने से सड़क निर्माण के नाम पर डुमरांव में टैजफिक व्यवस्था बाधित थी। जिस कारण बाजार में अघोषित मंदी छाई थी। दशहरा मेला शुरू होने से पहले एसडीएम राकेश कुमार के निर्देश पर सड़क निर्माण कार्य को रोक परिचालन बहाल कर दिया गया था। जिससे दुकानदारों को लगा था कि मेला के दौरान पिछले एक महीने के घाटे की भारपाई हो जाएगी, लेकिन जोरदार बारिश से दुकानदारों को निराशा हाथ लगी है। कई दुकानदारों ने बताया कि इस दशहरा मेला उम्मीद के मुताबिक बिक्री नहीं हो पाई है।

बिजली कटौती से परेशान रहे लोग

प्रतिमा विसर्जन व जोरदार बारिश के बाद शहर में बिजली संकट खड़ा हो गया। शुक्रवार की शाम से शनिवार की दोपहर तक डुमरांव के अधिकांश हिस्सों में बिजली गुल हो गई थी। जानकारों का कहना है कि पहले विभाग ने प्रतिमा विसर्जन के दौरान एहतियाती तौर पर बिजली काटी थी, फिर बारिश के बाद लोकल फॉल्ट के कारण उपभोक्ताओं को आपूर्ति से महरूम होना पड़ा। इस दौरान सुबह में लोगों को पेयजल के लिए भी भटकना पड़ा। बिजली आपूर्ति से परेशान लोग पॉवर सब स्टेशन तथा साइबर सेनानी ग्रुप में गुहार लगाते रहे, लेकिन लोकल फॉल्ट की अधिकता तथा लगातार बारिश होने से उनकी गुहार सुनने वाला भी कोई नहीं थी। दोपहर बाद भी कई इलाकों में बत्ती गुल होने की शिकायत मिली। हालांकि, बिजली विभाग के मिस्त्री तथा अधिकारी इसे दुरूस्त करते भी देखे गए।

केसठ में आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही, कई घर क्षतिग्रस्त, लाखों की संपत्ति बर्बाद

केटी न्यूज/केसठ

शुक्रवार की देर रात्रि हुई तेज गरज और मूसलाधार बारिश ने केसठ प्रखंड क्षेत्र में तबाही मचा दी। आकाशीय बिजली गिरने से कई परिवारों का घर उजड़ गया और लाखों की संपत्ति राख में तब्दील हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 1 बजे के आसपास अचानक गरज के साथ जोरदार बिजली गिरी, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सबसे अधिक नुकसान केसठ दक्षिण डेरा निवासी विंदेश्वरी यादव के घर पर हुआ। उनके मकान पर बिजली गिरने से तीन कमरे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में घर के अंदर रखे करीब 10 से 12 क्विंटल चावल और गेहूं मलवे में दबकर खराब हो गए। गृहस्वामी विंदेश्वरी यादव ने बताया कि इस हादसे में लगभग चार लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।इसी तरह केसठ नया बाजार के अर्जुन यादव के घर पर भी आकाशीय बिजली गिरी, हालांकि सौभाग्य से वहां कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। वहीं, केसठ पुराना बाजार निवासी भोरिक यादव के पुत्र धनजी यादव का मकान पूरी तरह ढह गया। पड़ोस में रहने वाले छठु कुमार के मकान में भी बिजली गिरने से दीवार फट गई और घर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान पीड़ित परिवारों के घर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। मुखिया ने पीड़ितों को हरसंभव मदद और सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन से मांग की जाएगी कि जल्द से जल्द सर्वे कर पीड़ित परिवारों को राहत दी जाए।वहीं, इस संबंध में बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हो चुकी है। विभागीय टीम को जांच का निर्देश दिया जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद मुआवजा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार रात की तेज बारिश के दौरान कई जगहों पर बिजली गिरने से खेतों में लगे पेड़ भी जलकर राख हो गए। इस प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र में त्रासदी का माहौल पैदा कर दिया है।

आई ई एस एम बक्सर जिलाध्यक्ष हरेंद्र तिवारी ने दिल्ली में बढ़ाया संगठन का सम्मान

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के पूर्व सैनिक संगठन आई ई एस एम (इंडियन एक्स सर्विसमैन मूवमेंट) के जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने संगठन का मान बढ़ाते हुए दिल्ली में आई ई एस एम के चेयरमैन मेजर जनरल सतबीर सिंह, सेना मेडल से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने बक्सर जिला इकाई की ओर से चेयरमैन साहब को अंगवस्त्र, बुके और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इसके साथ ही आई ई एस एम के जनरल सेक्रेटरी लेफ्टिनेंट कामेश्वर पाण्डेय एवं मुख्य लिपिक सूबेदार देवी दयाल को भी अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में बक्सर जिला की तरफ से संगठन की निष्ठा और सक्रियता का परिचय देते हुए एकता और अनुशासन का सशक्त संदेश दिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस मौके पर बक्सर इकाई से भी सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान मेजर जनरल सतबीर सिंह ने बक्सर आई ई एस एम के कार्यों और सैनिकों की एकजुटता की सराहना की। उन्होंने बक्सर जिले के सभी पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संगठन की ओर से चेयरमैन को बक्सर आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। तय किया गया कि उनकी बक्सर यात्रा की तिथि संगठन के चेयरमैन डॉ. मेजर पी.के. पाण्डेय और सभी साथियों की सहमति से निर्धारित की जाएगी।

जनरल सतबीर सिंह ने आश्वस्त किया कि संगठन के प्रत्येक सदस्य और पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे और हरसंभव सहायता प्रदान करेंगे।

इस प्रेरणादायक और संगठन को गौरवान्वित करने वाले कार्य के लिए जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी को संगठन के सभी सदस्यों ने बधाई दी। सभी ने एक स्वर में कहा कि उनके नेतृत्व में बक्सर आई ई एस एम निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक भरियार शाखा में दस दिनों से ठप है कामकाज

केटी न्यूज/चक्की

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की भरियार शाखा और इससे जुड़ी सीएसपी पर पिछले दस दिनों से सर्वर और लिंक की गंभीर समस्या बनी हुई है। शनिवार को भी स्थिति जस की तस रही, जिससे खाता धारकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोग पैसे की निकासी, केवाईसी अद्यतन और अन्य बैंकिंग कार्यों के लिए सुबह से लाइन में खड़े रहे, लेकिन सर्वर डाउन रहने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। ग्राहकों ने बताया कि यह तकनीकी समस्या लगातार बनी हुई है और बैंक प्रबंधन की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले कई लोग दो से तीन घंटे इंतजार के बाद भी काम नहीं करा सके। खासकर महिलाओं को काफी दिक्कत झेलनी पड़ी। सीएसपी संचालक रीना देवी ने बताया कि सर्वर की समस्या के कारण ग्राहकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से इस समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की, ताकि ग्रामीणों को बुनियादी बैंकिंग सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर यह स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो वे सामूहिक रूप से बैंक प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे।

राजनीतिक दलों को दी गई आचार संहिता, व्यय नियंत्रण और मीडिया निगरानी का प्रशिक्षण

- **निर्वाचन में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने पर दिया गया जोर**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिले के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ.विद्यानंद सिंह ने की। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, प्रशिक्षण शाखा के नोडल पदाधिकारी, मतदाता जागरूकता (स्वीप) नोडल अधिकारी तथा अवर निर्वाचन पदाधिकारी सहित निर्वाचन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से तीन विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई जिनमें आदर्श आचार संहिता, व्यय नियंत्रण, और मीडिया प्रमाणीकरण एवं निगरानी व्यवस्था शामिल था। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि अधिसूचना जारी होते ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है। सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग, भड़काऊ भाषण, धर्म या जाति आधारित अपील और अनुचित प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित है। राजनीतिक दलों को इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई। व्यय नियंत्रण से जुड़ी जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रत्येक प्रत्याशी को अपने पूरे चुनावी खर्च का लेखा-जोखा निर्वाचन आयोग को देना अनिवार्य है। इसके लिए व्यय प्रेक्षक, उड़नदस्ता टीम और निगरानी दलों द्वारा लगातार जांच की जाएगी। नकदी या वस्तुओं के अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।मीडिया प्रमाणीकरण एवं निगरानी समिति के संबंध में बताया गया कि किसी भी राजनीतिक विज्ञापन का प्रकाशन या प्रसारण पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। समिति द्वारा ह्लपेड न्यूजह्व यानी पैसे लेकर समाचार प्रकाशित करने के मामलों पर नजर रखी जाएगी और ऐसे मामलों में तत्काल जांच व कार्रवाई होगी। प्रशिक्षण में भाजपा, कांग्रेस, राजद, जदयू, लोजपा (रामविलास), बसपा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सहित अन्य दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव की निष्पक्षता राजनीतिक दलों के सहयोग से ही संभव है। सभी दल आदर्श आचार संहिता का पालन करें और लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखें। वहीं उप विकास आयुक्त ने कहा कि व्यय सीमा और मीडिया निगरानी व्यवस्था से चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और मतदाताओं तक सही सूचना पहुंचेगी।

दुर्गा पूजा समिति सदस्यों को पत्रकार रवि प्रकाश ने किया सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद बिक्रमगंज स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में मां दुर्गा पूजा के सफल आयोजन पर मां दुर्गा पूजा समिति रजिस्ट्री ऑफिस,धनगाई के सभी सदस्यों को किया गया सम्मानित। कार्यक्रम का आयोजन पत्रकार रवि प्रकाश के नेतृत्व में किया गया। उक्त अवसर पर पत्रकार रवि प्रकाश ने मां दुर्गा पूजा में शामिल सभी सदस्यों को उनके सराहनीय योगदान के लिए अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह का शुभारंभ दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष सह बिक्रमगंज प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार सिंह उर्फ लाली और सक्रिय सदस्य शेखर सिंह को पत्रकार रवि प्रकाश ने

अंगवस्त्र और भगवान के मोमेंट भेंट कर सम्मानित किया। अवसर पर अध्यक्ष सह प्रखंड प्रमुख राकेश उर्फ लाली सिंह और शेखर सिंह ने भी कमिटी के सक्रिय सदस्यों को प्रोत्साहित कर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल की तरह इस साल भी पूजा में सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से नवरात्र पर्व भक्तिमय माहौल में मां दुर्गा के मूर्ति विसर्जन के साथ शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। जो आने वाले समय में भी नवरात्र पूजा और मंदिर निर्माण में सभी सदस्यों और मां दुर्गा के भक्तों का इसी तरह से सहयोग मिलता रहा तो मां का एक ऐतिहासिक भव्य मंदिर का निर्माण जल्द सफल हो सकेगा। जबकि कार्यक्रम के आयोजनकर्ता दुर्गा पूजा समिति के मीडिया प्रभारी रवि प्रकाश ने सदस्यों को सम्मानित करते हुए कहा कि कमिटी के अध्यक्ष और सक्रिय सदस्यों के सहयोग से हर साल एक भव्य पंडाल के साथ नवरात्र पूजा संपन्न होती है। जिसमें सभी भक्तों का भी सराहनीय सहयोग होगा। मौके पर मुन्ना पांडे, राजू सिंह, रूपेश सिंह, माया चौधरी, मुन्ना तिवारी, पिंटू सिंह, मंदन गुप्ता, मंगल कुमार, अर्जुन कुमार,लल्लू यादव, रवि कुमार, मोनू कुमार, पांडा गुप्ता, अमित कुमार, मनू यादव, विजय कुमार, गुड्डु कुमार, अंकित कुमार, रवि कुमार, मंजीत गुप्ता, छोटू कुमार सहित कमिटी सभी सदस्यों ने मां दुर्गा के समक्ष क्षमा याचना किया।

एक नजर

मुखिया ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच दी राहत सामग्री

तिलौथू । भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित पंचायत क्षेत्र में तिलौथू पूर्वी पंचायत के मुखिया पुनीत द्विवेदी ने राहत का अहम कदम उठाया। उन्होंने दर्जनों परिवारों को खाने-पीने और जरूरी सामान वितरित किया। बारिश की वजह से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई थीं। ऐसे में मुखिया द्वारा राहत सामग्री सीधे प्रभावित परिवारों तक पहुंचाने से उनकी परेशानियाँ थोड़ी कम हुईं। राहत सामग्री में मुख्य रूप से राशन और अन्य जरूरी चीजें शामिल थीं। मुखिया पुनीत द्विवेदी ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों से मिलकर पीड़ितों की मदद कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर और राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र दुबे ने लोगों से अपील की कि वे सुरक्षित रहें और प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें। इस राहत वितरण ने बाढ़ पीड़ितों के बीच उम्मीद की नई किरण जगाई और दिखाया कि मुश्किल समय में लोग एक-दूसरे का सहारा बन सकते हैं।

युवक की रहस्यमयी मौत से गांव में पसरा मातम

काराकाट । काराकाट थाना क्षेत्र के ग्राम जयश्री में शुक्रवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है । स्वर्गीय दिनेश मिश्रा का 19 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार बिक्रमगंज- डिहरी मुख्य मार्ग स्थित यात्री शेड में सोया हुआ था । सुबह उसकी लाश मिलने के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई । ग्रामीणों के अनुसार अंशु बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखता था। पिता का साया पहले ही सिर से उठ चुका था और घर में उसकी सहारा केवल बूढ़ी मां व छोटा भाई ही था। जैसे ही मां व छोटे भाई को घटना की खबर मिली,वे दौड़कर यात्री शेड पहुंचीं और बेटे का शव देखकर दहाड़ मारकर रो पड़ीं। उधर छोटा भाई भी दहाड़ मारकर रोने लगा। उनकी करुण पुकार सुनकर मौके पर मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गईं । सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए और बाद में पुलिस को सूचना दी गई। काराकाट थानाध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि युवक की मौत किस कारण से हुई है,यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने सर्पदंश की आशंका जताई है,लेकिन शव पर इस तरह का कोई निशान नहीं मिला है। थानाध्यक्ष ने कहा कि कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है । उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल इस मामले में थाना को कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है,जैसे ही आवेदन मिलेगा, आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोलीकांड में आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । रोहतास पुलिस कप्तान रौशन कुमार ने प्रेस-विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 03 अक्टूबर दिन शुक्रवार को शाम करीब 07 बजे के आस-पास बिक्रमगंज थाना को सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के ग्राम अमई डिहरा में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है । एसपी ने कहा कि प्राप्त सूचना के आलोक में बिक्रमगंज सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार,थानाध्यक्ष ललन कुमार अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं घटना की जांच में जुट गए । घटना के सत्यापन के क्रम में पाया गया कि ग्राम अमई डिहरा के रहने वाले कुश कुमार उम्र 21 वर्ष पिता महेश सिंह एवं उनके परिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा ग्राम अमई डिहरा के ही रहने वाले रमेश कुमार एवं कमलेश कुमार के साथ मारपीट की घटना कारित करते हुए कमलेश कुमार के ऊपर देशी कट्टा से फायर किया गया है,जो गंभीर रूप से जख्मी हैं । जख्मी कमलेश कुमार को ग्रामीणों द्वारा शहर के एक निजी अस्पताल में प्राथमिक ईलाज के लिए भर्ती कराया गया है,जो ईलाजरत है ।घटना का कारण ग्रामीणों द्वारा आपसी रंजीश में होना बताया गया है । घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है । जिस मामले में सभी अभियुक्त अपने-अपने घर से फरार पाए गए हैं । कहा कि आवेदक रमेश कुमार के द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 687/25 दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी गई है ।

पुलिस ने एक अभियुक्त को भेजा जेल

दावथ। सूर्यपुरा पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना में दर्ज कांड संख्या 145/25 के आलोक में विभिन्न धाराओं के अभियुक्त थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढनडीह निवासी टेंगु चंद्रवंशी के पुत्र पंकज कुमार उर्फ बालेश्वर को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार ट्रक चालक को मारी टक्कर, मौत

आरा। तीयर थाना क्षेत्र के अरैला गांव के समीप बुधवार की रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार ट्रक चालक को टक्कर मार दी. हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार मृतक धनगाई थाना क्षेत्र के दीघा गांव निवासी रामनाथ सिंह का 27 वर्षीय पुत्र सुशील कुमार है. वह ओड़िशा में रहकर ट्रक चलाता था. इधर, मृतक के करीबी सुधीर यादव ने बताया कि वह एक अक्टूबर को ओड़िशा से वापस गांव लौटा था. बुधवार को वह बाइक द्वारा तीयर थाना क्षेत्र के अरैला टोला अपने ससुराल गया था. बुधवार की रात जब वापस घर लौट रहा था. उसी दौरान अरैला गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

भोजपुर में घर में घुसकर सो रहे सेवानिवृत्त पुलिस हवलदार की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत कारीसाथ गांव में शुक्रवार की देर रात एक बड़ी वारदात घटित हुई। हथियारबंद तत्वों ने गांव के ही 85 वर्षीय सेवानिवृत्त पुलिस हवलदार कन्हैया यादव की उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक कन्हैया यादव बंगाल पुलिस में हवलदार के पद पर कार्यरत थे और वर्ष 2006 में कोलकाता के लालबाजार थाना से सेवानिवृत्त हुए थे। वे गांव के स्व. जंगबहादुर यादव के इकलौते पुत्र थे। घटना शुक्रवार की रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। उस समय कन्हैया यादव अपने दालान के बरामदे में सो रहे थे। आरोपितों ने घर

में घुसकर तीन गोलियां मारीं। उनके सीने, गले, कंधे और पीठ पर गोली के घाव मिले हैं जबकि बाईं आंख पर भी कटने का निशान पाया गया। स्वजनों का कहना है कि तेज बारिश और बिजली की गड़गड़ाहट के कारण रात में गोली चलने की आवाज किसी को सुनाई नहीं दी।शनिवार की सुबह जब परिजन उठे तो उन्होंने कन्हैया यादव को खून से लथपथ मृत अवस्था में पाया। तत्काल इसकी सूचना गजराजगंज ओपी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर गजराजगंज ओपी प्रभारी चंचल कुमार महथा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने मौके से दो खोखा बरामद किया और अन्य साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम में मृतक के शरीर से कोई भी बुलेट बरामद नहीं हुई क्योंकि सभी गोलियां आर-पार हो गई थीं। मृतक के रिश्ते में लगने वाले पोते संतोष कुमार ने बताया कि तीन माह पूर्व मृतक के पोते विशाल कुमार का गांव के ही कुछ लोगों से झगड़ा हुआ था। उसी समय से विवाद चला आ रहा था। विजयदशमी के दिन मृतक के बेटे के मोबाइल पर आरोपी पक्ष ने फोन कर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी थी। स्वजन इसी विवाद को हत्या की वजह मान रहे हैं और गांव के ही लोगों पर आरोप लगा रहे हैं। कन्हैया यादव के परिवार में पत्नी दुलारो देवी, दो पुत्री तथा एक पुत्र राजकुमार यादव हैं। राजकुमार यादव सीआरपीएफ में जवान हैं और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। मृतक की पत्नी और अन्य सदस्य रो-रोकर बेहाल हैं।

सड़क दुर्घटना में दूध बिक्रेता युवक की दर्दनाक मौत

- **घटना के बाद परिवार में पसरा मातम,लोगों में शोक की लहर**
- **स्थानीय प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम करा पूरी की कानूनी प्रक्रिया**

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के सासाराम रोड़ स्थित पटेल कॉलेज के अम्बेडकर कल्याण छात्रावास समीप शुक्रवार की रात में एक 25 वर्षीय दूध बिक्रेता युवक की मौत हो गई।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृतक युवक नगर परिषद बिक्रमगंज के धनगाई रोड़ स्थित

वार्ड 10 निवासी स्वर्गीय मुनमुन सिंह अधिवक्ता का पुत्र गोलू कुमार उर्फ मोहित राज था। जो शुक्रवार

3 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे अपने बाइक से संझौली थाना क्षेत्र स्थित अपने ओसम दूध डेरी के दुकान पर जा रहा था। इसी क्रम में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना

मिलते ही बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार पुलिस जवान के साथ घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए अनुमंडलीय अस्पताल धनगाई में ईलाज के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना मिलते ही मृतक गोलू के चाचा अधिवक्ता चुनचुन सिंह अस्पताल पहुंचे, जहां अपने भतीजे के शव को देख दहाड़ मार चीख पुकार करने लगे। जिसे स्थानीय लोगों द्वारा किसी तरह ढांढस दिलाया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह शव का जिला सदर अस्पताल सासाराम पोस्टमार्टम करा परिजनों को शव को सौंपते हुए कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी निप्पी देवी और 4 वर्षीय बेटी नित्या को अकेला छोड़ गया। जिनके उपर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है। क्योंकि मृतक युवक गोलू अपने तीन भाईयों में सबसे छोटा था, जिनके माता और पिता भी अब इस दुनिया में नहीं है।

प्राकृतिक के बारिश तांडव से तिलौथू प्रखंड में मचा हाहाकार, घर छोड़ भाग रहें लोग

गांवों में बाढ़ के पानी जाने से किसानों की फसलें डूबी

केटी न्यूज/रोहतास

तिलौथू (रोहतास) शुक्रवार की रात हुई मूसलाधार बारिश ने तिलौथू प्रखंड समेत आसपास के गांवों में भारी तबाही मचा दी। रातभर हुई अंधाधुंध बारिश से खेत और घर पानी में डूब गए। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। कई परिवारों के घरों में जलजमाव से जीवन-यापन मुश्किल हो गया है। बारिश ने सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को पहुंचाया है। लाखों रुपये की लागत से बोई गई आलू और सब्जियों की फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गईं। खेतों में अब भी पानी भरा है, जिससे फसलें सड़ने लगी हैं। किसानों का कहना है कि उनकी सालभर की मेहनत एक ही रात में बर्बाद हो गई। स्थानीय किसान

रामलाल यादव ने बताया, ह्लहमने उधार लेकर आलू की खेती की थी, लेकिन सब कुछ पानी में डूब गया। अब समझ नहीं आता कि कर्ज कैसे चुकाएँगे। सरकार से मदद की उम्मीद है। वहीं पतलुका गांव के किसान रामजी यादव ने बताया कि उन्होंने बड़ी मेहनत से किसी तरह आलू की रोपाई की थी, लेकिन मूसलाधार बारिश के कारण पूरा खेत जलमग्न हो गया है। जिसके कारण गांवों के कई घरों में नहीं जला चूल्हा। वही तिलौथू और आसपास के गांवों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। कई परिवारों को एक वक्त का खाना जुटाना भी मुश्किल हो गया है। कुछ घरों में अब तक चूल्हा नहीं जल सका है। लोग ऊँचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक कोई जनप्रतिनिधि या अधिकारी हालात का जायजा लेने नहीं पहुंचे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री भेजने, फसलों के नुकसान का सर्वे कराने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। अंचलाधिकारी हर्ष हरि ने बताया कि शुक्रवार की रात हुई तेज बारिश से कई गांव प्रभावित हुए हैं। प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। किसानों के नुकसान का आकलन करने के लिए कर्मचारियों को भेजा जायेगा।

मांग : कार्यपालक और आईटी सहायकों के सामूहिक अवकाश से विभागों में लटका ताला

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार के हजारों कार्यपालक सहायक व आईटी सहायकों ने सेवा स्थायीकरण एवं वेतनमान का लाभ व तत्काल सातवें वेतन आयोग की अनुशंसा के आलोक में पद सोपान के अनुरूप सेवाकाल की गणना करते हुए मानदेय में वृद्धि सहित अन्य मांगो को लेकर गर्दनिबाग धरनास्थल पर दो दिन से जमे हुए हैं। कार्यपालक सहायक संघ रोहतास के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया जी कार्यपालक व आईटी सहायकों की अन्य मांगो में नियोजन तिथि से ईपीएफ लाभ, कार्य से बाहर हुए कर्मियों का पुनर्नियोजन, सेवाकाल में मृत्यु उपादान न्यूनतम 40 लाख और स्थायी अपंगता की स्थिति में न्यूनतम 25 लाख अनुदान राशि, आश्रित को अनुकंपा के आधार पर नियोजन की मांग शामिल है। आगे

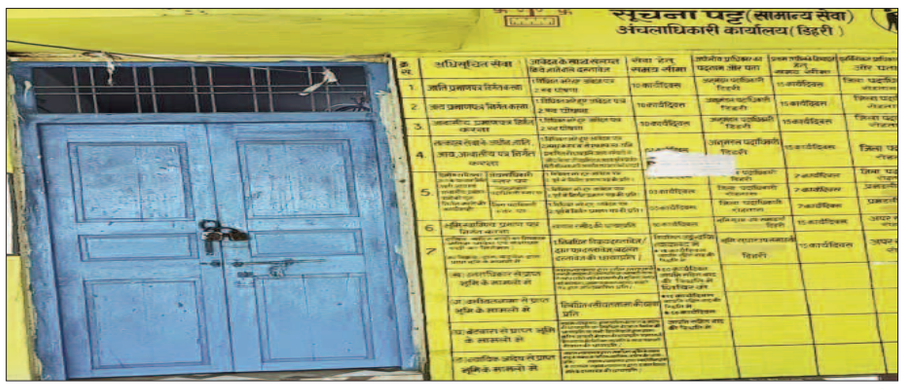

बताया गया की सचिवालय से लेकर अंचल, अनुमंडलों व सरकार के सभी विभागों में बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी यानी बीपीएसएम के तहत कार्यरत बिहार के लगभग 25 हजार कार्यपालक सहायक व आईटी सहायक सेवा नियमितीकरण करने तथा इसके पूर्व मानदेय वृद्धि की प्रमुख मांग को लेकर दिनांक-3 व 4 अक्टूबर को दो दिवसीय सामूहिक अवकाश पर रहते हुए पटना में दो दिवसीय महाधरना की शुरूआत किया। कार्यपालक सहायक सेवा संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मो. आदिल खान ने कहा कि सरकार और बीपी एसएम की हठधर्मिता के कारण आंदोलन की शुरूआत किया गया है, सामूहिक अवकाश के पहले अनेकों पत्र दिया गया व सांकेतिक आंदोलनात्मक कार्यक्रम के वाबजूद मानदेय राशि में वृद्धि नहीं किया गया, बीपीएसएम लगातार झूठा आश्वासन देता रहा कि शासी परिषद की बैठक में मानदेय वृद्धि से संबंधित निर्णय होगा लेकिन ऐसा कई बैठक हो गया किन्तु कार्यपालक सहायकों व आईटी सहायकों का मानदेय वृद्धि नहीं किया गया। इसलिए दो दिवसीय सामूहिक अवकाश और गर्दनिबाग में महाधारना दिया गया, इससे भी बात नहीं बनी तो 6 अक्टूबर से भूख हड़ताल शुरू किया जाएगा। बता दें की आईटी सहायक व कार्यपालक सहायक बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011आरटीपीएस तथा बिहार लोक शिकायत अधिकार अधिनियम 2015 पीजीआरए

के तहत पूरे बिहार में लगभग दो दर्जन से अधिक जन सुविधाओं का काम संभालते हैं जिसमें जाति, आवासीय, आय, म्यूटेशन, राशन कार्ड, चुनाव कार्य, वृद्धा पेंशन, कन्या उत्थान योजना जैसी जनहित की सेवा शामिल है।

नोखा पुलिस ने अपहरण कांड के चार आरोपियों को दबोच भेजा जेल

केटी न्यूज/रोहतास

नोखा पुलिस ने अपहरण कांड के एक मामलें का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना कांड संख्या 353/25 दिनांक 02/10/25 से संबंधित है, जिसमें विभिन्न धाराओं 126(2), 115(2), 140(2), 352, 351(2)(3)/3/5 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार राकेश कुमार पिता अनिल चौधरी के रामनगर स्थित भूसा रखने वाले गोदाम से अपहृत अजय सिंह यादव,पिता शिवकुमार सिंह यादव, ग्राम पुरा काटासपुर थाना बलुवा जिला चंदौली जो उत्तर प्रदेश क्षेत्र अंतर्गत से सकुशल बरामद किया

गया। पुलिस ने इस मामले में संलिप्त चार अपहरणकर्ताओं में अमित कुमार पिता जनार्दन सिंह, ग्राम तराड़ थाना रघुनाथपुर,राकेश कुमार पिता अमित चौधरी, ग्राम नोखा, अजय कुमार,पिता स्व. जीतन सिंह, ग्राम रघुनाथपुर, थाना नोखा,अंकित कुमार पिता सुमंत सिंह, ग्राम गोसाईंपुर, थाना बेलोनी जो सभी जिला रोहतास क्षेत्र के है। वहीं गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा दिया गया है। वही नोखा पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के सभी अपराधियों में डर का भय व्याप्त है।

बिहार में सड़क विकास को नई गति, चुनाव से पहले दो बाईपास के निर्माण को मिली केंद्र की मंजूरी

एजेंसी। पटना

बिहार में सड़क विकास को बढ़ावा देने के लिए एनएच-139 पर अरवल और दाउदनगर बाईपास परियोजनाओं को मिली मंजूरी, 953 करोड़ की लागत से होगा निर्माण, यातायात सुगमता और व्यापार को मिलेगी रफ्तार। बिहार में सड़क अवसंरचना को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर दो प्रमुख बाईपास परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत अरवल बाईपास के निर्माण के लिए 665.50 करोड़ रुपये और दाउदनगर बाईपास के लिए 288.28 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग-139, बिहार की एक महत्वपूर्ण सड़क है, जो पटना को औरंगाबाद होते हुए झारखंड से जोड़ती है। यह मार्ग उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला एक प्रमुख आर्थिक गलियारा माना जाता है। अरवल और दाउदनगर में बाईपास के निर्माण से इस राजमार्ग पर यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। भारी वाहनों को अब शहरों के अंदर से गुजरने के बजाय बाहरी मार्गों पर डायवर्ट किया जा सकेगा, जिससे ट्रैफिक जाम, ध्वनि प्रदूषण और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। परियोजना के तहत दोनों बाईपासों के साथ सिटी साइड सर्विस रोड का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि शहरों के भीतर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की संभावना है। इन बाईपासों के निर्माण से पटना, अरवल, दाउदनगर और औरंगाबाद के बीच यात्रा समय में कमी आएगी। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों, माल ढुलाई, औद्योगिक क्षेत्र, कृषि उत्पादों के परिवहन और पर्यटन विकास को भी नई गति मिलेगी।

राबड़ी आवास के बाहर कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा, मखदुमपुर विधायक सतीश दास को टिकट नहीं देने की मांग

एजेंसी। पटना

राबड़ी आवास के बाहर राजद कार्यकताओं ने आज जमकर हंगामा मचाया। मखदुमपुर विधायक सतीश दास को टिकट नहीं देने की मांग राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव से की। इस दौरान राबड़ी आवास के बाहर अफरा-तफरी मच गई। मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र से आए कार्यकर्ता लालू-तेजस्वी से मिलने आए थे और सतीश दास को टिकट नहीं देने की मांग कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, मखदुमपुर से आए कार्यकर्ता वर्तमान विधायक सतीश दास को दोबारा टिकट नहीं देने की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि सतीश दास ने न तो क्षेत्र के विकास के लिए काम किया और ना ही पार्टी कार्यकताओं की सुध ली। गुस्साए कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए लालू यादव के आवास के अंदर तक पहुंच गए और उनसे सीधे शिकायत की। सूत्रों के मुताबिक, अंदर का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार्यकर्ता जोरदार विरोध करते दिख रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ह्लसतीश दास को किसी भी हालत में टिकट नहीं दिया जाए, उन्होंने जनता और कार्यकताओं के साथ धोखा किया है।ह्व अपने विधायक के काम-काज से मखदुमपुर की जनता खुश नहीं है।

जदयू ने एक चरण में चुनाव कराने की मांग की, भाजपा ने दिया समर्थन

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तारीखों की घोषणा से पहले शनिवार को मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार ने अपनी टीम के साथ बिहार के 12 राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। बैठक में सीएम नीतीश कुमार की पार्टी ने एक चरण में चुनाव कराने की मांग की। जनता दल यूनाईटेड की इस मांग को भारतीय जनता पार्टी ने भी समर्थन किया। बैठक के बाद बाहर आए नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत की। जदयू के सांसद संजय कुमार झा ने बैठक के बाद कहा कि हमने चुनाव आयोग के समक्ष अपनी बात रखी। बिहार में मतदाता पुनरीक्षण कार्य (रक्फ़) हुआ है, और बिहार देश को दिखाएगा कि यह कैसे किया जाता है। हमने आग्रह किया है कि बिहार में चुनाव एक ही चरण में कराए जाएं। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर है। अगर महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव हो सकते हैं, तो बिहार में क्यों नहीं? बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भी चुनाव आयोग से आग्रह किया कि आगामी विधानसभा चुनाव एक या दो चरणों में कराए जाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से लंबा न खींचा जाए। साथ ही, मतदान केंद्रों पर आने वाली बुर्का पहनने वाली महिलाओं के चेहरों का मिलान उनके वोटर आईडी कार्ड (एढक्क) से सुनिश्चित किया जाए, ताकि केवल वास्तविक मतदाता ही अपने मत का प्रयोग कर सकें। जायसवाल ने बताया कि उनकी अगुवाई में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से बूथ कैप्चरिंग और मतदाताओं के डराने-धमकाने की घटनाओं की आशंका वाले इलाकों में अर्धसैनिक बलों की पर्याप्त तैनाती की मांग की है। उन्होंने कहा कि हमने अनुरोध किया है कि कमजोर वर्गों, जैसे अत्यंत पिछड़े वर्गों की अधिक जनसंख्या वाले गांवों में अर्धसैनिक बलों की तैनाती मतदान से कुछ दिन पहले ही की जाए और फ्लैग मार्च जैसे अभियानों के जरिए मतदाताओं में विश्वास पैदा किया जाए। भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि उन नदी क्षेत्रों में, जहां पहले बूथ कैप्चरिंग की घटनाएं हो चुकी हैं, वहाँ घुड़सवार बलों की भी तैनाती की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को सुझाव दिया है कि मतदान के बाद पोलिंग एजेंट अपने-अपने प्रिसाइडिंग ऑफिसर से फॉर्म 17उ जरूर प्राप्त करें। कई बार एजेंट बिना यह फॉर्म लिए ही चले जाते हैं, जिससे बाद में विवाद की गुंजाइश बनती है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनावों में और देरी नहीं होनी चाहिए और उन्हें जल्द से जल्द संपन्न कराया जाना चाहिए। चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में भाजपा ने 16 सूत्री सुझाव और मांग चुनाव आयोग के सामने रखी है। इस संदर्भ में भाजपा ने एक पत्र भी चुनाव आयोग को सौंपा है। बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, चुनाव प्रबंधन विभाग के प्रदेश संयोजक राधिका रमण और विधि प्रकोष्ठ के संयोजक विंध्याचल राय द्वारा सौंपे गए इस पत्र में मतदाता सूची की तैयारी पारदर्शी एवं बेहतर तरीके से करने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग को तथा सभी 38 जिला एवं 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए लगभग दो लाख बीएलए को सहभागिता के लिए बधाई दी गयी। बैठक के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा ने एक चरण में चुनाव कराने की अपनी मांग रखी है। भाजपा ने मतदान केन्द्र के विभिन्न धार्मिक स्थल के पास होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बार-बार आयोग को इससे जुड़े शिकायत करने के बाद भी इन मतदान केन्द्र को नहीं बदला जा रहा है। ये सभी मतदान केन्द्र आज से 30 वर्ष पूर्व से बने हुए हैं। चुनाव के पूर्व इन सभी मतदान केन्द्रों की जांच कर नये सरकारी भवन में मतदान केन्द्र स्थित कर दिया जाय, जो मतदाता के घर से नजदीक भी होगा और इसे मतदान का प्रतिशत भी बढ़ेगा।

सीपीआई एमएल ने कहा- दो चरणों में संपन्न करवाया जाए चुनाव

वहीं सीपीआई एमएल की ओर से मांग की गई है कि आगमी चुनाव को दो चरणों में संपन्न करवाया जाए। कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है, हम आपसे कहना चाहेंगे कि कई चरणों में चुनाव बोझिल, खचीर्ला व थकाउ होता है, खासकर हम जैसी पार्टियों के लिए. इसलिए आपसे आग्रह है कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में ही संपन्न कराई जाए। सीपीआई एमएल की ओर से बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित तीनों केंद्रीय चुनाव आयुक्त आज पटना में सभी मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से मुलाकात एवं वार्ता के कार्यक्रम में शामिल हुए। इसी क्रम में पार्टी की ओर से कामरेड संतोष सहर, कामरेड कुमार परवेज और कामरेड रणविजय कुमार का तीन सदस्यीय शिष्टमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की। शिष्टमंडल ने आयोग के समक्ष एसआईआर (रक्फ़) एवं चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

जहानाबाद में ठनका गिरने से 3 की मौत, दर्जनभर घायल

एजेंसी। पटना

पटना सहित कई जिलों में आज मौसम का मिजाज बदला रहा। तेज आंधी बारिश से लोग परेशान रहें। पटना में तो बारिश के चलते मेन रोड धंस जाने से अफरा-तफरी मच गयी। वही जहानाबाद में बारिश के दौरान ठनका गिरने से 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। दो उत्तर पट्टी गांव के रहने वाले थे जबकि एक बीघा गांव के निवासी थे। वही वज्रपात से एक दर्जन लोग घायल हो गये। जहानाबाद जिले में ठनका गिरने से कुल 3 लोगों की मौत हो गई है वही एक दर्जन लोग घायल हो गये हैं। जिले के उत्तर पट्टी गांव में 2 लोगों की मौत हुई और उसी गांव के नौ लोग झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गये। वही नगर थाना क्षेत्र के लालसे बीघा गांव में भी ठनका गिरने से एक की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घोसी मोड़ पर भी ठनका की चपेट में आने से कुल तीन लोग घायल हो गये। सभी घायलों को जहानाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां सभी का इलाज चल रहा है। वही मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल परिसर में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद जहानाबाद विधायक सुदय यादव भी सदर अस्पताल पहुंचकर मृतक के परिजनों एवं घायलों के परिजनों से हाल-चाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा जताया।

बिहार चुनाव से पहले आईपीएस आदित्य कुमार को मिली बड़ी राहत, 3 साल बाद निलंबन मुक्त

एजेंसी। पटना

बिहार चुनाव से ठीक पहले क्ढर अधिकारी आदित्य कुमार को बड़ी राहत मिली है। 3 साल बाद राज्य सरकार ने उनका निलंबन समाप्त कर दिया है। हालांकि, हाई कोर्ट जज के नाम पर ऊग्ढ को फर्जी कॉल करने के मामले में विभागीय जांच जारी रहेगी। बता दें कि आईपीएस आदित्य कुमार को अक्टूबर 2022 में निलंबित किया गया था। 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी और मूल रूप से यूपी के मेरठ निवासी आदित्य कुमार उस समय गया के एसएसपी थे। उन पर अवैध शराब से जुड़े एक मामले में फतेहपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद उन्हें निलंबित किया गया था। मुख्य मामला पटना हाई कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजय करौल के नाम पर बिहार के डीजीपी रहे एस.के. सिंघल को फर्जी कॉल कराने से जुड़ा हुआ है। आरोप यह है कि आदित्य कुमार ने अपने साथी अभिषेक अग्रवाल के साथ मिलकर यह साजिश रची थी। उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे मामले को रफा-दफा कराने के लिए हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के नाम से डीजीपी को फोन कराया था। इसके अलावा, बिहार सरकार के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी को भी बेहतर पोस्टिंग के लिए कॉल करवाने का आरोप है। इस प्रकरण का खुलासा होने के बाद 16 अक्टूबर 2022 को आर्थिक अपराध इकाई (एडव) में प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले में अभिषेक अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया, जबकि आदित्य कुमार फरार हो गए।

पति और देवर की हत्या की साजिश का खुलासा, महिला समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

पटना पुलिस ने पति और देवर की हत्या की साजिश का खुलासा किया है। महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मनेर थाना क्षेत्र से हथियार और ऑडियो-वीडियो साक्ष्य के रूप में बरामद किया गया है। 03 अक्टूबर 2025 को मनेर थाना क्षेत्र में मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या की साजिश का भंडाफोड़ किया है। सूचना मिली थी कि कुछ लोग अपने सहयोगियों के साथ मिलकर दो व्यक्तियों की हत्या की योजना बना रहे हैं। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम), पटना के निर्देशन में थानाध्यक्ष मनेर के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की, जिसमें दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से दो देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, 26 जिंदा कारतूस और चार मैग्जीन बरामद की गईं। पूछताछ के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि एक महिला ने घरेलू विवाद के कारण अपने पति और पति के भाई की हत्या कराने की साजिश रची थी। पुलिस को महिला के मोबाइल से रिकॉर्डेड ऑडियो और वीडियो फुटेज साक्ष्य के रूप में प्राप्त हुए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने उक्त महिला को भी गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल तीनों आरोपितों से पूछताछ जारी है और आगे विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस पूरे प्रकरण पर नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम), भानुप्रताप सिंह ने प्रेस को विस्तृत जानकारी दी और बताया कि समय रहते सूचना पर कार्रवाई की गई और

पानी भरे गड्ढे में मिला युवक का शव

विभूतिपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के आलमपुर डीह के पास शनिवार सुबह एक युवक का शव गड्ढे में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान शिवम कुमार (21), पुत्र उमेश राय और इंदु देवी, निवासी मानाराय टोल के रूप में हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है क्योंकि शव पर कई जख्म मिले थे। स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क जाम कर निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच में जुटी है। घटना की जानकारी अनुसार, शुक्रवार रात करीब 9:20 बजे शिवम अपने मित्र के साथ मानाराय टोल स्थित पान दुकान से तीन सिगरेट लेकर खोकसाहा की ओर गया था। कुछ देर बाद वह घर लौट आया और मां से खाना खाया। इसके बाद वह चाची के पास मोबाइल पर वीडियो देखता हुआ सो गया। रात करीब 11:40 बजे उसके मोबाइल पर एक कॉल आया और वह अपने बाइक पर सवार होकर घर से निकल गया।

आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी की चेतावनी

बिहार में भारी बारिश को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर से जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। राजधानी पटना समेत राज्य के करीब सभी जिलों में पिछले दो दिनों से बारिश का दौर जारी है। इस बीच मौसम विभाग और बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने बारिश को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है। दरअसल, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार और बिहार मौसम सेवा केन्द्र, पटना द्वारा 04.10.2025 से 07.10.2025 तक भारी वर्षा, वज्रपात, 40-60 किमी/घंटा की गति से आंधी-तूफान के चलने का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए अलर्ट जारी किया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग ने मुजफ्फरपुर तथा पूर्वी चंपारण जिले में रेड अलर्ट तथा पटना, वैशाली, गया, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, औरंगाबाद, सीतामढ़ी, शिवहर, मुंगेर, भोजपुर, सीवान, सारण, अरवल, जहानाबाद, मधुबनी, खगड़िया तथा सहरसा जिला में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।विभाग ने कहा है कि उत्तरी एवं पूर्वी भागों से अति भारी वर्षा होने के साथ उत्तर बिहार के नदियों के जल ग्रहण क्षेत्रों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है, जिसके फलस्वरूप उत्तर बिहार के नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने की संभावना है। आपदा प्रबंधन विभाग सभी आम नागरिकों से अपील की है कि वे सरकार द्वारा जारी दिशा निदेशों का पालन करें। अनावश्यक घर से बाहर ना निकलें। किसी पेड़, बिजली के खंभे या कमजोर आधारभूत संरचना के नीचे शरण ना लें। तटबंध क्षेत्र के निचले हिस्से में बसे नागरिक ऊंचे स्थान पर चले जाएं। नदी, तालाब, नहर या किसी भी जल स्त्रोत से दूर रहे और अपने बच्चों को भी दूर रखें।इसके साथ ही साथ खुले खेतों में वर्षा और वज्रपात के समय कृषि कार्य ना करें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें, खुले में ना बांधे। किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र के हेल्पलाइन नम्बर 0612-2294204/205, तथा आपातकालीन सहायता नंबर 1070 पर दें।

सुभाषितम्

सुविधा और सम्मान दूसरों को देना चाहिए, लेने की कामना नहीं रखनी चाहिए। - अज्ञात

2 घंटे की सलाह के 11 करोड़ फीस या ब्लैकमेलिंग?

बिहार की राजनीति में भ्रष्टाचार कोई नई कहानी नहीं है। बस फर्क यह है कि इस बार की कहानी में प्रशांत किशोर उर्फ पीके केंद्र में हैं। कभी देश के सबसे ताकतवर नेताओं और सियासी पार्टी की चुनावी रणनीति बनाने वाले पीके अब खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। भारतीय राजनीति में प्रशांत किशोर एक ऐसे शख्स हैं जो 2014 में नरेंद्र मोदी को कुर्सी में बिठाने का दावा करते हैं। उसके बाद उन्होंने कई अन्य राजनीतिक दलों को सलाह देने और उन्हें चुनाव जिताने का दावा किया। एक समय था जब प्रशांत किशोर की एक अच्छे रणनीतिकार के रूप में पहचान होती थी। तब प्रशांत किशोर मीडिया के खिलाफ खडो हो जाते थे, लेकिन अब प्रशांत किशोर खुद मीडिया के निशाने में आ गए हैं। वजह है उनका स्वीकारोक्ति वाला बयान, जिसमे उन्होंने नवयुग कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा उन्हें महज दो घंटे की सलाह के लिए 11 करोड़ रुपये दिए जाने की बात कही है। सवाल उठना लाजमी है, यह रकम वास्तव में सलाह शुल्क थी या फिर चुनावी चंदे के नाम पर एक छिपा हुआ सौदा था। इलेक्टोरल बॉड के खुलासे के बाद इस तरह की धारणा आमजन के बीच बनने लगी है। नवयुग कंस्ट्रक्शन कोई साधारण कंपनी नहीं है। इसके खाते में पुल गिरने और सुरंग ध्वस्त होने जैसी कई गंभीर घटनाएँ दर्ज हैं। बिहार में बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु का हिस्सा ढह जाना, इसका ताजा उदाहरण है। इसके अलावा इस कंपनी को कई राज्यों में बड़े-बड़े ठेके राजनीतिक कृपा से मिले हुए हैं और इस कंपनी ने करोड़ों रुपए का चंदा भी दिया है। इसी कंपनी ने भाजपा को 55 करोड़ रुपये का चंदा इलेक्टोरल बॉड के माध्यम से दे चुकी है। यानी सवाल केवल पीके की फीस का नहीं, बल्कि राजनीति, ठेकेदारी और चंदे की उस तिकड़ी का है, जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों मैं मट्ठा डालने का काम किया है। विडंबना यह है कि पीके खुद को भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा के रूप में पेश कर रहे हैं। रोजाना किसी न किसी नेता की फाइल खोलते हैं। उनके ऊपर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के सप्रमाण आरोप लगाते हैं। एनडीए गठबंधन और नीतीश की सरकार में शामिल मंत्रियों के खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोल दिया है। प्रशांत किशोर भ्रष्ट नेताओं को जनता की अदालत में कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। अब प्रशांत किशोर उर्फ पीके की पारदर्शिता पर उंगली उठी है, तो जवाब में धमकी और आक्रामकता दिखा रहे हैं। यह दोहरा चेहरा उनकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहा है। सवाल यह है, कि क्या प्रशांत किशोर वाकई जन स्वराज की लड़ाई लड़ रहे हैं, या फिर भ्रष्टाचार के नाम पर नए किस्म की ब्लैकमेलिंग की राजनीति कर रहे हैं? यदि उनके पास सचमुच मे नेताओं की भ्रष्टाचार संबंधी फाइलें और प्रमाण हैं तो उन्हें वह एक साथ सार्वजनिक क्यों नहीं कर देते? हर रोज एक-एक खुलासा कर क्या माहौल बनाना चाहते हैं। क्या वह जनता के हित में इस तरह के खुलासे कर रहे हैं, या सिर्फ राजनीतिक दबाव बनाने का खेल खेल रहे हैं? बिहार का युवा महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है। नीतीश सरकार भी अपनी छवि को लेकर निशाने पर है। ऐसी स्थिति में बिहार की राजनीति में जो रिक्तता बनी है उसको भरने के लिए प्रशांत किशोर इस तरह की राजनीति कर अपनी छवि को चमकाना चाहते हैं। वे युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। बिहार की जनता अब जागरूक है। वह समझती है, भ्रष्टाचार के खिलाफ असली जंग वही है, जो पारदर्शी, निष्पक्ष और बिना किसी सौदेबाजी के लड़ी जाए। अगर पीके इस मकड़जाल से खुद को अलग नहीं कर पाए तो ह्लबिहार के लड़के की ताकत का नारा उनकी विश्वसनीयता की हार का कारण बन सकता है। पिछले एक दशक में प्रशांत किशोर ने हर राजनीतिक दल के घाट-घाट का पानी पी लिया है। वह राजनीति में किस तरह की गंदगी है इसको भी जान गए हैं। जनता को किस तरह से सपने दिखाकर आकर्षित किया जा सकता है, इसका उन्हें बहुत अच्छा ज्ञान है। लेकिन समय के साथ सारी चीज बदल जाती हैं। पिछले 10 साल में गंगा जी में बहुत सारा पानी बह गया है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आासन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है।

जरूरी है राष्ट्र निमार्ता के रूप में शिक्षकों का सम्मान

- श्वेता गोयल

एक ओर जहां भारत में द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को ह्यशिक्षक दिवसह्ल मनाया जाता है, वहीं दुनिया के अनेक देश 5 अक्तूबर को ह्यविश्व शिक्षक दिवसह्ल मनाते हैं और इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में दुनियाभर के देशों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल किसी भी देश के विकास की कल्पना शिक्षा के बिना बेमानी ही है, इसीलिए दुनियाभर के शिक्षकों के महत्व और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए ही विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का मूल उद्देश्य विश्वभर में शिक्षण और शिक्षकों के मूलभूत मुद्दों पर चर्चा करना है। वर्ष 1960 के आसपास करीब सभी देशों में शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसके लिए 5 अक्तूबर 1966 को ह्यटोचिंग इन फ्रीडम संधिह्ल को मूर्त रूप दिया गया। इसमें दुनियाभर के शिक्षकों की स्थिति को सुधारने और उन्हें जागरूक करने के लिए एक समझौता पारित किया गया। दरअसल 5 अक्तूबर 1966 को पेरिस में एक कांफ्रैंस का आयोजन किया गया था, जिसमें शिक्षकों के अधिकार और जिम्मेदारी सहित उनसे संबंधित कई मुद्दों पर यूनेस्को तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की सिफारिशों को यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था। यूनेस्को और आईएलओ की उस बैठक में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, रोजगार और शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके बाद शिक्षक दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के लिए 1994 में 100 देशों के समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र में यूनेस्को की इन सिफारिशों को पारित कर दिया गया। उसी के बाद 5 अक्तूबर 1994 से विश्व शिक्षक दिवस की शुरूआत हुई और तभी से प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को इसे विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष पूरी दुनिया 31वां विश्व शिक्षक दिवस मना रही है।

यूनेस्को द्वारा विश्व शिक्षक दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक थीम निर्धारित की जाती है और विश्व शिक्षक दिवस 2025 का आधिकारिक विषय है ह्यशिक्षण को एक सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनः स्थापित करनाह्ल। यूनेस्को का मानना है कि पूरी दुनिया को इस समय वैश्विक स्तर पर शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी कामकाजी परिस्थितियों और स्थिति में गिरावट के कारण और भी गंभीर हो गई है। 2022 में विश्व शिक्षक दिवस ह्यशिक्षा का परिवर्तन शिक्षकों से शुरू होता हैह्ल थीम के साथ मनाया गया था। दरअसल वैसे तो व्यक्ति जीवनभर सीखता रहता है लेकिन शिक्षक के बिना सही ज्ञान नहीं मिलता, इसीलिए शिक्षक दिवस का विशेष महत्व होता है। 5 अक्तूबर के दिन विश्वभर में 100 से भी ज्यादा देशों में विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर तरह-तरह के आयोजन किए जाते हैं। प्रत्येक देश में इस दिन का अपने-अपने तरीके से स्वागत किया जाता है। कई देशों में तो इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी रखा जाता है लेकिन वहां अवकाश के इन पलों को लोग अपने शिक्षकों के साथ किसी न किसी रूप में शेयर करते हैं। सही मायनों में विश्व शिक्षक दिवस महज सार्वजनिक अवकाश नहीं बल्कि एक वैश्विक उत्सव है।

हालांकि भारत सहित कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां शिक्षक दिवस मनाए जाने की तारीख अलग-अलग हैं लेकिन सभी का उद्देश्य एक ही है। चीन में कन्फ्यूशियस के जन्मदिन के अवसर पर 27 अगस्त 1939 को शिक्षक दिवस मनाना आरंभ किया गया था किन्तु 1951 में यह घोषणा वापस ले ली गई और 1985 से 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। रूस में 1994 से 5 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है किन्तु 1965 से 1994 तक अक्तूबर माह के पहले रविवार को यह दिवस मनाया जाता था। ईरान में 2 मई 1980 को प्रोफेसर अयातुल्लाह मोतेर्जा मोतेहारी की हत्या के बाद उसी दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मलेशिया में शिक्षक दिवस को ह्यहरि गुरूह्ल के नाम से जाना जाता है, जो 16 मई को मनाया जाता है। वहां 16 मई 1956 को रजाक रिपोर्ट स्वीकृत हुई थी, जिसके आधार पर वहां शिक्षा प्रणाली का चयन हुआ था। उसी दिन को बाद में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। थाईलैंड में 1957 से ही प्रतिवर्ष 16 जनवरी को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उस दिन वहां सभी स्कूलों में अवकाश रहता है। तुर्की में यह दिवस 24 नवम्बर को जबकि अमेरिका में 6 मई को मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में माह के पहले सप्ताह में पूरे सप्ताह तक आयोजन होते हैं। आस्ट्रेलिया में शिक्षक दिवस अक्तूबर महीने के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है जबकि अर्जेन्टीना में इस दिवस का आयोजन डोमिनो फास्टिनो सामिएटो की मृत्यु के दिन 11 सितम्बर को किया जाता है। वियतनाम में 1958 में 20 नवम्बर को पहली बार यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के घोषणा पत्र के रूप में मनाया गया था और 1982 में इसे पुनः नामांकित कर वियतनामी शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया। पेरू में 6 जुलाई 1953 को वहां के राष्ट्रपति मैनुएल ए आड्रिया ने एक अध्यादेश पारित कर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया था जबकि पाकिस्तान में यह अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के दिन 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता है। चिली में 16 अक्तूबर को शिक्षकों के कॉलेज की स्थापना हुई थी, उसी उपलक्ष्य में वहां 16 अक्तूबर 1977 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा जबकि ब्राजील में शिक्षक दिवस का आयोजन 15 अक्तूबर को किया जाता है। दरअसल 15 अक्तूबर 1827 को वहां पेड्रो ने प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित किया था लेकिन अधिकारिक रूप में 15 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाने के लिए मान्यता 1963 में मिली थी। बहरहाल, यूनेस्को का कहना है कि 5 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस घोषित करने से दुनियाभर में सेवारत तमाम शिक्षकों को उनके द्वारा शिक्षा और विकास के क्षेत्र में दिए जा रहे अहम योगदान से लोगों को अवगत कराया जाता है, जिससे आम लोगों को शिक्षकों के बारे में और अधिक समझने का अवसर मिलता है।

भारत को पीओके की पुकार: पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति की मांग

- दिलीप कुमार पाठक

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता है' बांग्लादेश, अफगानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैं' अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया था' पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन कब्जा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैं' अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती है' अभी हाल फि लहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ है' जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है' पाकिस्तानी नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा है' पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया है' वैसे भी पीओके पर जुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा बन चुका होता' देश जमीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर जबरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा है' पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि वठ तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाए' 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैं' एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाजा जरूर भुगतना होगा'

स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा है' यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है' नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैं' सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है' उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैं' कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा की' पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैं' 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया' वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया है' यह घटना पीओके में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ है' इस मुद्दे पर भारत को दखल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर जुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगा' पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती है' पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिए'

विदेश में देश की छवि खराब करना उनकी आदत

- कांतिलाल मांडोत

कांग्रेस सांसद और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कोलम्बिया के ईआईए विश्वविद्यालय के एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला है।भारतीय सरंचना में कमी बताते हुए कहा कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है।राहुल देश मे किसी भी राज्य के चुनाव के पूर्व ओछी राजनीति करने के लिए एवं भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला करने विदेश जाते है।भारत मे उनकी कोई नही सुनता है।इसलिए हरबार विदेश में भारत की बुराई या सतारूढ़ सरकार की आलोचना करते है।भारत दुनिया मे सबसे बड़ा लोकतंत्र है।राहुल गांधी इतने ही नासमझ तो नही होने चाहिए, जोकि अपने देश की बुराई विदेश में जाकर करते है।भारत की विदेश नीति दुनिया मे सबसे अच्छी है।भारत के दुनिया के कई देशों के साथ द्विपक्षीय सम्बब्ध है।भारत की दुनिया जयकारा लगाती है।लेकिन भारत की आलोचना कर सतारूढ़ सरकार का कोई नुकसान नही कर रहे है,बल्कि अपनी ही पार्टी कांग्रेस के लिए नुकसानदेह साबित हो रहे है।विदेश में भारत को बदनाम करने औरभारत की छवि को घुमिल करने का कार्य कर रहे है।कांग्रेस की सोची समझी साजिश के तहत सतारुढ़ पार्टी को हटाने के लिए किया जा रहा षडयंत्र कांग्रेस के लिए भारी पड़ सकता है।राहुल गांधी को यह सब करने के लिए मजा आता है।विदेश में राहुल ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाया।राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बोस्टन में हमला बोला और चुनाव आयोग को घेरते हुये उन्होंने कम्प्रोमाइजड बताया।राहुल गांधी कांग्रेस के शायद पहले नेता है,जिन्होंने विदेश में सतारूढ़ सरकार पर कई बार हमलावर हुए है।कांग्रेस नेता राहुल जानबूझकर भाजपा को बदनाम कर रहे है।क्योकि भारत मे उनके आरोप कोई बड़ा परिवर्तन नही करता है।इसलिए विदेश में जाकर छात्र छात्राओं के समक्ष कटुता उजागर करते है।भाजपा ने विदेश यात्रा पर हमला बोलते हुए भाजपा ने भारत बदनाम यात्रा कहा है।कांग्रेस अपनी नाकामयाबी का ठीकरा भाजपा पर फोड़ रही है।कांग्रेस के लिए देश मे कई अवसर आए और चले गए, लेकिन कांग्रेस उसी पुराने ढर्रे पर चल रही है।2024 का चुनाव होने के बाद चिंताग्रस्त कांग्रेस ने राहुल को विदेशी यात्रा के लिए रवाना किया।पिछले वर्ष अमेरिका के प्रेस क्लब में राहुल ने भारतीय लोकतंत्र पर बड़ा हमला बोला और कहा कि भारत में पिछले दस सालों में ब्रोकन हुआ था यानी टूटा है।अब वह लड़ रहा है।दस सालों के बाद कांग्रेस को लोकसभा में विपक्ष का पद प्राप्त हुआ है।क्योकि कांग्रेस 99 सीटे जितने के बाद कांग्रेस ने उन्हें विपक्ष को घेरने के लिए राहुल को अध्यक्ष का पद दिया गया।जवाहरलाल नेहरू से राजीव गांधी तक एक ही पिक पर कांग्रेस कार्य कर रही है।कांग्रेस की नीतियां चुनाव में प्रत्याशियों को पीछे करने के लिए मजबूर करती है।राहुल ने यह सवाल कहकर उनकी और कांग्रेस की मूल भावना को ही उजागर कर दिया था।उन्होंने कहा कि 2014 से 2019में चुनाव हुआ उसमे मतदाताओ ने वोट नही डाला था।यह राहुल की भावना ही दशार्ती है।कांग्रेस विपक्षी दल है।सरकार ने सवाल करने का पूरा हक है।लेकिन कोई भी मुद्दा तथ्यात्मक होना चाहिए।बेबुनियाद बयानबाजी से कांग्रेस को ही नुकसान होता दिखाई दे रहा है।

आज का राशिफल

मेष जातकों के लिए दिन प्रतिस्पर्धात्मक रहने वाला है। अटके हुए काम पूरे होने से मन में संतोष रहेगा।

वृषभ दिन पारिवारिक सुख लेकर आएगा। घर का माहौल अच्छा रहने से मनोबल बढ़ेगा।

मिथुन संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार में अचानक बड़ा लाभ या नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है।

कर्क आज जातकों के लोगों के लिए ग्रहों की स्थिति बहुत फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी इज्जत बढ़ेगी।

सिंह आज दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे और परोपकारी कार्यों में खर्च कर सकते हैं।

कन्या सेवा करने से पुण्य मिलेगा। व्यवसाय में आप नए विचारों को साकार करने में सफल होंगे।

तुला कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत करने की कला आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

वृश्चिक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुका हुआ पैसा या प्रोजेक्ट पूरा होने से संतोष मिलेगा।

धनु आज खर्च घरेलू सुविधाओं पर बढ़ सकता है, जिससे बजट बिगड़ सकता है।

मकर आज कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने से उत्साह बढ़ेगा। व्यवसाय में लाभ होगा।

कुंभ संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

मीन आज दिन सुखद रहेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बन रही है।

विशेष

असम में भाजपा और हेमंता को तगड़ा झटका

असम में अगले साल चुनाव होना है। उसके पहले असम में भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। 40 सीटों के इस चुनाव में भाजपा को केवल 5 सीटें मिली हैं। कांग्रेस गठबंधन ने 40 में से 28 सीटों पर विजय प्राप्त कर ली है। महलारी और कांग्रेस के संयुक्त गठबंधन से भाजपा और यूपीएल गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा के लिए यह एक बड़ा झटका है। इस चुनाव में जिस तरह से वह कमजोर साबित हुए हैं। उसको देखते हुए यह कहा जाने लगा है। भाजपा कभी भी उनसे पल्ला झाड़ने में देर नहीं करेगी। इस बात की चर्चा असम में होने लगी है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा को उनका बचाव करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। भाजपा ने ही उनके ऊपर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। बाद में उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया।

केशव प्रसाद मौर्य का कद बढ़ा?

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बिहार विधानसभा चुनाव का सह प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश भाजपा में तनातनी पिछले कई महीनो से चल रही है। इस नियुक्ति को केशव प्रसाद मौर्य की तरक्की के रूप में देखा जा रहा है। अमित शाह ने एक कार्यक्रम में उन्हें अपना प्रिय मित्र बताया था। जिस तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आक्रामक मुद्रा में देखने को मिल रहे हैं। उसको देखते हुए यह कहा जा रहा है। जल्द ही उत्तर प्रदेश में कुछ बड़ा होने वाला है। केशव प्रसाद मौर्य की नियुक्ति को लेकर तरह-तरह की चचाएँ शुरू हो गई हैं।

कार्टून कोना

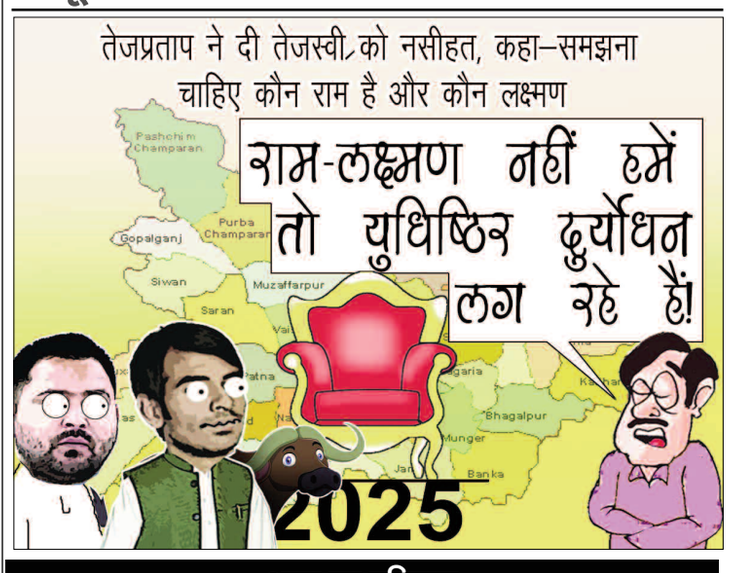

आज का इतिहास

1582: पोप के राज्यों में ग्रेगोरियन कैलेंडर लागू किया गया। 1676: ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत के सिक्के ढालने का अधिकार मिला। 1793: फ्रांस में ईसाई धर्म के पदों को समाप्त कर दिया गया। 1805: लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन हुआ। 1931: क्लाइड पेंगबार्न और ह्यूग हर्नडान ने जापान से वाशिंगटन तक की दूरी 41 घंटे में पूरी की। 1964: काहिरा में गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में कांगों के मोइसे शोम्बे को भाग लेने की अनुमति नहीं दी गयी। 1971: पुर्तगाल गणराज्य बना। 1978: अमरीका ने नामीबिया में अश्वेतों को सत्ता हस्तांतरण के लिए विदेश मंत्री साइरस वांस को भेजने का फैसला किया। 1981: फडीनांड प्रथम ने बल्गारिया को स्वतंत्र घोषित किया। 1983: पोलैंड के श्रमिक नेता लेक वालेशां को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गयी।

दैनिक पंचांग

5 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.50 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	09.05 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.21 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.26 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.12 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.45 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.16 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.56 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.54 बजे से
		कर्क	00.07 बजे से
राहुकाल		सिंह	02.23 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कन्या	04.35 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 278 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 15.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 08.01 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 16.34 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 15.04 बजे तदनन्तर गर 01.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 45'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872488
जूलियन दिन 2460953.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 12

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

रांगामाटी में श्रीराम मंदिर का हुआ भूमि पूजन

धनबाद, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने सिंदरी के रांगामाटी जय माता दी मंदिर परिसर में 51 फीट ऊंचा श्रीराम की मूर्ति निर्माण को लेकर विजयादशमी के अवसर पर भूमि पूजन किया। कल्पना टॉकीज सिंदरी के सामने स्थित ऊँ श्री साईं बाबा टूर एंड ट्रैवल्स से गाजे बाजे के साथ प्रभु श्रीराम का विजय जुलूस निकाला गया। विहिप के विभाग मंत्री सोनू गिरि ने भूमि पूजन पंडित संतोष पाण्डेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न करवाया गया। नवनिर्मित राम दरबार का उद्घाटन दो अप्रैल 2026 को किया जाएग। भूमि पूजन में भाजपा नेता दिनेश सिंह, विजय सिंह, विहिप के विभाग मंत्री सोनू गिरी, जय माता दी मंदिर समिति अध्यक्ष अविनाश सिंह, कामेश्वर सिंह, संजय सिंह, बजरंग दल सिंदरी प्रखंड संयोजक रंजीत कुमार निषाद, सिंटू सिंह, प्रखंड अध्यक्ष अमन कुमार ठाकुर, प्रखंड मंत्री नीरज गिरि, रोहित सिंह, विनोद यादव, विकास बाउरी, दिलीप, अभिषेक भगत, देव कर्मकार, विवेक शर्मा, करण सिंह, अभिषेक वाजपेयी आदि थे।

दामोदर का जल स्तर बढ़ने से झरिया व पुटकी क्षेत्र में जलापूर्ति ठप

धनबाद, एजेंसी। जल संयंत्र केंद्र जामाडोबा स्थित दामोदर नद का जल स्तर बढ़ जाने से शुक्रवार को झरिया व पुटकी क्षेत्र में जलापूर्ति ठप रही। इलाके के लोगों को पेयजल खरीद कर पीना पड़ा। लोग परेशान रहे। इधर, जमाडा कर्मियों का कहना है कि गुरुवार की रात मूसलधार बारिश के कारण दामोदर नदी का जल स्तर 454 आरएल से बढ़ कर 464 आरएल हो गया है। पानी का जल स्तर बढ़ने से नदी में काफी बहाव तेज है। जिसकी वजह से कचरा साफ करने में दिक्कत आ रही है। दामोदर नद स्थित जमाडा का इंटेक वल्व में कचड़ा भर गया है। जिससे पानी को मोटर खींच नहीं पा रहा है। हालांकि, कर्मियों ने नदी में लगे सभी मोटरों को सुरक्षित रख लिया है। कर्मियों का कहना है कि जैसे ही जल स्तर में कमी आयेगी, सफाई के बाद जल भंडारण कर जलापूर्ति की जा सकती हैं। नदी में जल स्तर बढ़ने से झरिया व पुटकी के आसपास के अलावा सभी क्षेत्र में जलापूर्ति ठप हो गया है। जल संयंत्र केंद्र के अधिकारी आशुतोष राणा ने बताया कि दामोदर का जल स्तर बढ़ जाने से अधिक परेशानी हो रही है। इंटेक वल्व जाम हो गया है।

पूजा में भी सिजुआ व कतरास में ब्लैक आउट, आक्रोश

धनबाद, एजेंसी। दुर्गा पूजा में भी सिजुआ तथा कतरास क्षेत्र में बिजली गुल रहने से लोग परेशान रहे। तेतुलमारी, पांडेडिह, नया मोड़, तेतुलमारी टाउनशिप, चंदौर बांध, पहाड़ी, निचितपुर टाउनशिप, अंगारपथरा, वेस्ट मोदीडीह, सिजुआ आदि इलाकों में पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। अष्टमी, नवमी, दशमी की रात पूरा इलाका ब्लैक आउट रहा। एकादशी के दिन भी बिजली गायब रही। इससे लोगों में आक्रोश है। सब स्टेशन से संपर्क करने पर बताया गया कि डीवीसी से लाइन काटी गयी है। इधर, बिजजी नहीं रहने से नाराज लोगों ने सिजुआ, कतरास क्षेत्रीय कार्यालय में शुक्रवार को तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। नगरीकला दक्षिण पंचायत के मुखिया अशोक ठाकुर ने कहा कि बीसीसीएल की मनमानी के कारण बिजली नहीं मिल रही है। इस संबंध में सिजुआ क्षेत्र के महाप्रबंधक निर्झर चक्रवर्ती ने कहा कि डीवीसी से आपूर्ति ठप रहने से पूजा में परेशान हुई।

166 लाभुकों को मिली मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की राशि

धनबाद, एजेंसी। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत धनबाद जिले के 166 पात्र लाभुकों के बैंक खाते में शुक्रवार को 10,96,500 की अनुदान राशि भेज दी गयी। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर यह राशि कल्याण विभाग ने हस्तांतरित की। उपायुक्त ने बताया कि यह योजना मुख्य रूप से गंभीर बीमारियों अथवा शल्य चिकित्सा के कारण आय में हुई क्षति की भरपाई और बीमारी के बाद पौष्टिक आहार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गयी है। वयस्क और अवयस्क लाभुकों को उनकी स्थिति के अनुसार न्यूनतम 1,500 से लेकर अधिकतम 25,000 तक की सहायता दी जाती है। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि इस प्रकार की योजनाएं आमजन को स्वास्थ्य संकट के समय आर्थिक संबल प्रदान करती हैं। धनबाद जिला प्रशासन ने इस योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया है। वयस्क लाभुकों को बीमारी के कारण आय में हुई हानि और पौष्टिक आहार के लिए 3,000 से 10,000 तक की राशि मिलती है, जबकि अवयस्क लाभुकों को बीमारी की अवधि में पौष्टिक आहार के लिए 1,500 से 5,000 तक की राशि दी जाती है। वहीं कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने पर वयस्कों को 25,000 और अवयस्कों को 15,000 की राशि दी जाती है। इतना ही नहीं, कोविड-19 से ग्रसित मरीजों को भी घर या अस्पताल में इलाज के आधार पर अनुदान प्रदान किया जाता है।लाभुकों को आवेदन के साथ राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बीमारी का प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और बैंक खाता विवरण संलग्न करना होता है। आवेदन प्रखंड कार्यालय या जिला कल्याण पदाधिकारी कार्यालय में जमा किये जा सकते है।

जामताड़ा में लाखों की चोरी का खुलासा : तीन आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के बिन्दापाथर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव में हुई लाखों की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य फरार है। पुलिस ने चोरी के गहनों और अन्य सामान के साथ लाखों की संपत्ति बरामद की है। यह घटना 8 सितंबर 2025 को हुई थी। श्रीपुर निवासी मुकेश कुमार सिंह अपने परिवार के साथ माता वैष्णो देवी की पूजा के लिए घर से बाहर गए थे। इसी दौरान उनके घर में चोरी की वारदात हुई, जिसमें लगभग 10 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए थे।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान की

मामले की गंभीरता को देखते हुए जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नाला, मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने पिन्टु कुमार सिंह, विवेक उर्फ पवर कर और सचिन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ये सभी श्रीपुर गांव के निवासी हैं। इस मामले में नितिन कुमार उर्फ छोटू नामक एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

चोरी में इस्तेमाल किए गए लोहे के औजार बरामद

छापेमारी के दौरान पुलिस ने चोरी के कई सामान बरामद किए हैं। इनमें सोने-चांदी के जेवर (नोजपिन, पायल, बिछिया, बाला, कमर खोसनी, चेन, चंद्रमा, ब्रेसलेट, ताबीज, सिक्के आदि), लगभग 20 ग्राम गलाया हुआ सोना, 21 चांदी के सिक्के, 110 पायल, तीन मोबाइल फोन, तीन मोटरसाइकिल और 5200 रुपए नकद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, चोरी में इस्तेमाल किए गए लोहे के औजार जैसे सब्बल, स्क्रूड्राइवर, पिलास और छेनीनुमा रॉड भी मिले हैं।पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी जामताड़ा और बंगाल के विभिन्न सोना दुकानों में चोरी का सामान बेचते थे। पुलिस अब उन दुकानदारों का भी पता लगा रही है, जो चोरी का सामान खरीदते थे। जामताड़ा पुलिस की इस कार्रवाई को एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिसने महज कुछ ही दिनों में लाखों की चोरी का पर्दाफाश कर दिया।

पांच अपराधी गिरफ्तार, सरगना का अंतरराज्यीय गिरोह से संबंध

पलामू, एजेंसी। छतरपुर पुलिस ने सड़क पर लूटपाट करने वाले एक गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का सरगना डब्लू साव अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह से जुड़ा है और छत्तीसगढ़ में आठ किलो सोना लूटने के मामले में भी शामिल रहा है। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से लूटे गए मोबाइल और मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

यह कार्रवाई 30 सितंबर की रात हुई एक लूट की घटना के बाद की गई। वादी आनंद कुमार ने 1 अक्टूबर को छतरपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि रात करीब 11 बजे मंदेया ओवरब्रिज के पास दो बाइक पर सवार पांच लड़कों ने उनकी बाइक रुकवाकर पिस्तौल के दम पर मोबाइल लूट लिया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

टीम ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस मामले में शामिल पांचों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार की है। उनकी निशानदेही पर अलग-अलग जगहों से लूटे गए मोबाइल और मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे पिछले कई महीनों से राहगीरों और मोटरसाइकिल सवारों को हथियार के बल पर डरा-धमकाकर मोटरसाइकिल, मोबाइल और पैसे लूटते थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों में डब्लू साव छतरपुर के खंद्रा कला का निवासी है। वह पिछले साल छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में राजेश ज्वैलर्स से पांच करोड़ रुपए के आठ किलो सोने की लूट में भी शामिल था। डब्लू साव पर बिहार के अंबा, औरंगाबाद और छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज सहित छतरपुर थाने में कुल आठ मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तार अन्य अपराधियों में छतरपुर के गुरदी गांव का सुशील कुमार यादव उर्फ छोटू यादव शामिल है, जिस पर छतरपुर थाने में चार मामले दर्ज हैं। नौडीहा खजूरी के रितेश कुमार पासवान पर तीन, खाटीन के छोटू कुमार उर्फ बाबा पर तीन और खाटीन के ही ओमप्रकाश कुमार पर भी छतरपुर थाने में तीन-तीन मामले दर्ज हैं। अपराधियों के पास से जब्त किए गए सामान में 3 मोटरसाइकिलें, 16 मोबाइल फोन, 1 ल्यूमिनस बैटरी, 1 गैस सिलेंडर, 1 देसी कट्टा और 1 जिंदा गोली शामिल है।

खरसावां में कनकलता प्रधान हत्याकांड मामला:जमीन विवाद में हुई थी घटना

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला के खरसावां थाना क्षेत्र स्थित आमदा ओपी अंतर्गत कनकलता प्रधान की धारदार हथियार से हत्या के मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह घटना बुधवार को हुई थी। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में जीवनधन प्रधान, राजकुमार प्रधान और पंकज प्रधान शामिल हैं। सरायकेला अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) समीर सवैया ने बताया कि मृतक कनकलता प्रधान और इन अभियुक्तों के बीच जमीन की मापी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

बुधवार को कनकलता प्रधान आमदा क्षेत्र में किसी काम से आए थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे अभियुक्तों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद कनकलता प्रधान के फर्द बयान पर मामला दर्ज किया गया था। वहीं, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक छापेमारी दल का गठन किया और आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई खून से सनी तलवार और बंकिया बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, खून लगे कपड़े, दो मोबाइल फोन और एक स्कूटी भी जब्त की गई है। एसडीपीओ समीर सवैया ने यह भी बताया कि मुख्य अभियुक्त जीवनधन प्रधान के खिलाफ कुचाई थाना में पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। छापेमारी दल में एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक नितिन कुमार सिंह, खरसावां थाना प्रभारी गौरव और रिजर्व गार्ड शामिल थे।

चक्रधरपुर में दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान चाकूबाजी, सात युवक घायल

चक्रधरपुर, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस घटना में सात युवक घायल हो गए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार हरिजन बस्ती के दुर्गा पूजा पंडाल के विसर्जन जुलूस में शामिल युवकों पर चक्रधरपुर थाना के पास हमला किया गया। तकरीबन 15 की संख्या में हमलावर युवकों ने हरिजन बस्ती के सात युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला किया और शरीर के कई हिस्सों में ताबड़तोड़ वार कर दिया।

घटना के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया और हमलावर युवक मौके से भाग खड़े हुए। चाकूबाजी में घायल होने वालों में ध्रुव मुखी, गोविंदा मुखी, दिनेश मुखी, रिक्की मुखी, अतुल मुखी, अमन मुखी और अजय मुखी शामिल हैं। इन घायलों में से रिक्की मुखी नामक युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

सभी घायलों का इलाज चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुँच चुकी है और पूरे मामले की जानकारी लेकर हमलावर युवकों की तलाश में जुट गई है। घायलों ने हमलावरों की पहचान भी की है।इधर घटना के बाद से हरिजन बस्ती में गुस्से का माहौल है।

हरिजन बस्ती के लोग बड़ी संख्या में रेलवे अस्पताल में मौजूद रहे और पुलिस से हमलावरों के खिलाफ बड़ी सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने हमलावरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

थाना के पास हुई इस घटना ने पुलिस प्रशासन पर कई सवाल खड़ा कर दिया। घटना के 12 घंटे बाद भी अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुआ है। जिससे कई सवाल उठ रहा है।

चाईबासा कोर्ट में राहुल गांधी की सुनवाई टली, 9 अक्टूबर को होगा फैसला

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए विशेष न्यायालय में भाजपा नेता अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर चल रहे केस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की सुनवाई शनिवार को नहीं हो सकी।

राहुल गांधी ने अपने विरुद्ध दर्ज मुकदमे में ट्रायल के दौरान निजी उपस्थिति से छूट के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 205 के तहत आवेदन दाखिल किया है। इस आवेदन पर अदालत को 4 अक्टूबर को फैसला सुनाना था। लेकिन न्यायाधीश के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई टल गई। अब इस मामले की अगली तारीख 9 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

राहुल गांधी का केस देख रहे अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा ने बताया कि इस प्रकरण में 22 सितंबर को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो चुकी थीं और अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया था।

इसके बाद 4 अक्टूबर को फैसला आना था, मगर न्यायाधीश की अनुपस्थिति के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। अब सबकी निगाहें 9 अक्टूबर पर टिकी हैं, जब अदालत राहुल गांधी के आवेदन पर अपना निर्णय सुनाएगी।

क्यों अहम है यह फैसला

राहुल गांधी का यह आवेदन इसलिए अहम है क्योंकि यदि अदालत उन्हें व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे देती है, तो वे अपने संसदीय और राजनीतिक कार्यक्रमों में बिना किसी बाधा के हिस्सा ले सकेंगे।

दोनों पक्षों की दलील

कांग्रेस समर्थकों की नजरें भी इस फैसले पर टिकी हुई हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय स्तर पर बेहद व्यस्त रहते हैं, ऐसे में उनके लिए हर सुनवाई में उपस्थित होना संभव नहीं है। दूसरी ओर, अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता केशव प्रसाद महतो का तर्क है कि कानून सबके लिए समान है, इसलिए राहुल गांधी को भी अदालत में नियमित रूप से उपस्थित रहना चाहिए।

क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि यह मामला 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक कार्यक्रम में दिए गए राहुल गांधी के भाषण से जुड़ा है। इसमें भाजपा नेता अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा सीजीएम कोर्ट में मानहानि का मामला दर्ज कराया था, जिसे बाद में एमपी/एमएलए विशेष कोर्ट में स्थानांतरित किया गया।

धनबाद समाहरणालय में लगी आग:कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

धनबाद, एजेंसी। धनबाद समाहरणालय में शुक्रवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब भवन के तीसरी मंजिल पर बने जनरेटर रूम में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। घटना की जानकारी मिलते ही वहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए इसकी सूचना अग्निशमन विभाग और स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि समय रहते आग बुझा ली गई, अन्यथा यह बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती थी। इस घटना में समाहरणालय परिसर में लगे कई बिजली के उपकरण जलकर राख हो गए हैं, जिससे कार्यालय के कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है। फिलहाल बरवाअड्डा थाना प्रभारी और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है और घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

चक्रधरपुर में विसर्जन जुलूस में चाकूबाजी 15 युवकों ने किया हमला, सात घायल

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान बड़ा बवाल हो गया। रविवार देर शाम हरिजन बस्ती से निकले जुलूस पर अचानक करीब 15 युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में सात युवक घायल हो गए। अफरा-तफरी के बीच हमलावर मौके से फरार हो गए। घायलों में ध्रुव मुखी, गोविंदा मुखी, दिनेश मुखी, रिक्की मुखी, अतुल मुखी, अमन मुखी और अजय मुखी शामिल हैं। इनमें से रिक्की मुखी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चक्रधरपुर थाने के पास हुई घटना: घटना चक्रधरपुर थाना से कुछ ही दूरी पर हुई। बताया जा रहा है कि जुलूस जैसे ही थाना के पास से गुजर रहा था, तभी हमलावरों ने सातों युवकों को घेरकर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिया। अचानक हुए हमले से जुलूस में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे और पूरे इलाके में तनाव फैल गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, हमलावरों की पहचान हुई : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। घायलों ने हमलावरों की पहचान कर ली है। पुलिस ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। सभी आरोपियों को जल्द पकड़ा जाएगा।

हरिजन बस्ती में तनाव, सुरक्षा कड़ी : चाकूबाजी की घटना के बाद हरिजन बस्ती में तनाव का माहौल है। लोगों में गुस्सा और डर दोनों देखने को मिल रहा है। पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी है ताकि स्थिति और न बिगड़े। प्रशासन का कहना है कि माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। घायलों के इलाज पर नजर बनाए हुए है।

बोकारो में देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़:को-ऑपरेटिव कॉलोनी से एक महिला सहित दो गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के को-ऑपरेटिव कॉलोनी में अवैध देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 28 सितंबर 2025 को एसपी हरविंदर सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिलने के बाद नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने संध्या समय प्लॉट संख्या-155 पर छापा मारा। मौके से शनि कुमार (26) निवासी को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बोकारो और निखत प्रवीण (26) निवासी खिदिरपुर, कोलकाता को गिरफ्तार किया गया।

कोलकाता से महिलाओं को बुलाकर अपने किराए के मकान में देह व्यापार करवाता था : पुलिस पूछताछ में शनि कुमार ने स्वीकार किया कि वह कोलकाता से महिलाओं को बुलाकर अपने किराए के मकान में देह व्यापार करवाता था। निखत प्रवीण भी इस अवैध गतिविधि में शामिल थी और अन्य महिलाओं को लाने में उसकी अहम भूमिका थी।

पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है, जिसमें 10 कंडोम और एक सैमसंग मोबाइल फोन शामिल हैं। बीएस सिटी थाना में दोनों आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की धाराओं 3, 4, 5, 6 और 7 के तहत प्राथमिकी संख्या 212/25 दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि शहर में ऐसी अवैध गतिविधियों पर पुलिस की कड़ी नजर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और बोकारो को अपराधमुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

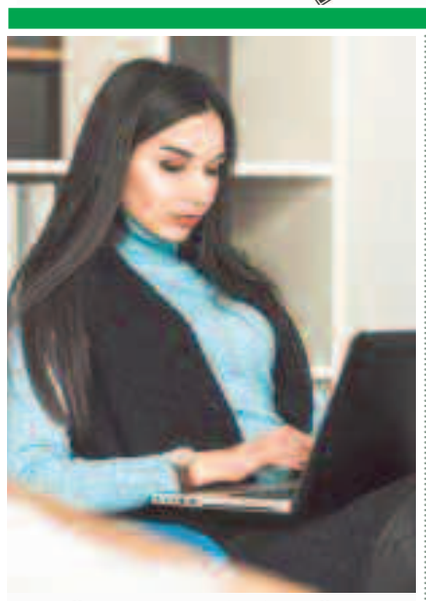

नहीं.. अब ऐसे भी बन सकते हैं सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए सिर्फ आप पीएचडी करके ही नहीं, बल्कि आप अन्य तरीकों से भी ये पद पा सकते हैं। आइए हम इसके बारे में आपको विस्तार से बताते हैं।

हर साल कई छात्र कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने की चाहत के साथ पीएचडी डिग्री या यूजीसी नेट परीक्षा में शामिल होते हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए पहले पीएचडी करना जरूरी होता था। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (व्नष्ट) की आधिकारिक सूचना के अनुसार, सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए अब जरूरी नहीं कि वे पीएचडी करे ही। अभ्यर्थी अब अन्य परीक्षा देकर भी प्रोफेसर का पद हासिल कर सकते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि पीएचडी की मान्यता खत्म हो गई है। आपको बता दें कि अभ्यर्थियों के पास दो में एक योग्यता होना जरूरी है।

पीएचडी के अलावा ऐसे बन सकते हैं असिस्टेंट प्रोफेसर

कॉलेज या विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद के लिए आवेदन करने के लिए GC NET न्यूनतम मानदंड है। नेट के अलावा, SET और SLET परीक्षा भी उन उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम पात्रता मानदंड है, जो असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहते हैं। पीएचडी भी मान्य है, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि कैंडिडेट के पास पीएचडी की डिग्री होना अनिवार्य है। आपको बता दें, यूजीसी नेट, सेट या स्लेट उत्तीर्ण सभी उम्मीदवार असिस्टेंट प्रोफेसर की नौकरी के लिए पात्र हैं।

क्या है NET, SETऔर SLET

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तरफ से हर साल यूजीसी नेट (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में 75 फीसदी से पास होने वालों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप यानी JRF मिलता है। वहीं, पास होने वाले कैंडिडेट्स को ह्शञ्ज सर्टिफिकेट मिलता है। नेट पास होने के बाद PhD में दाखिला ले सकते हैं या आप चाहें तो असिस्टेंट प्रोफेसर भी बन सकते हैं। बात SET की बात करें तो यह स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट है, जो राज्य स्तर पर कराई जाती है, वहीं SLET का पूरा नाम स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट है, जो कि असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के न्यूनतम पात्रता मानदंड में से एक माना जाता है।

इंटर्नशिप से आपको मिल सकते हैं बेहतरीन जॉब ऑफर, इस तरह से उठाएं इंटर्नशिप का फायदा

पेशे की बारीकियां समझने के साथ अच्छे जॉब ऑफर के लिए इंटर्नशिप काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इंटर्नशिप के दौरान वर्क कल्चर समझने में भी आसानी होती है।

आप किसी पेशे में अच्छा कर सकती हैं या नहीं, यह जानने का सबसे अच्छा जरिया है इंटर्नशिप। इंटर्नशिप के छोटे से टाइम पीरियड में आपको उस पेशे से जुड़े काम, वर्क कल्चर और भविष्य की संभावनाओं का अंदाजा लग जाता है। इस दौरान वर्कप्लेस पर मिलने वाले इनपुट्स को आप अपनी प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए बखूबी इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानें इंटर्नशिप से जुड़े कुछ अहम पहलुओं के बारे में-

आजकल जॉब से पहले इंटर्नशिप नौकरी का प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा हो गया है। इससे इम्प्लॉयर्स को फ्रेशर्स की क्षमता का अंदाजा लग जाता है और वे उसके प्रोफेशनल बिहेवियर के बारे में भी अच्छी तरह से समझ लेते हैं, वहीं इम्प्लॉई भी अपने लिए अच्छी संभावनाएं तलाश सकते हैं।

इंटर्नशिप से मिलते हैं ये फायदे

- पेशे से जुड़ी स्किल्स सीखने का अच्छा मौका मिलता है।
- इंटर्नशिप से कॉन्फिडेंस बढ़ता है, जिसका फायदा जॉब इंटरव्यू में मिल सकता है।
- इंटर्नशिप में वास्तविक माहौल में काम करने से नॉलेज बढ़ती है।
- इंटर्नशिप के दौरान पेशे की बारीकियों से गुजरते हुए आप अपने इंट्रस्ट के बारे में बेहतर तरीके से समझ पाती हैं और उसके अनुसार संभावनाएं तलाश सकती हैं।
- इंटर्नशिप करते हुए अच्छी नेटवर्किंग डेवलप करने से आप सीनियर्स के रेकमेंडेशन पर कई जगह बेहतरीन जॉब ऑफर पा सकती हैं।
- किताबी पढ़ाई से कहीं ज्यादा दिलचस्प है एक्चुअल वर्किंग।
- इंटर्नशिप का एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट आपके रेज्यूमे को मजबूत बनाता है। वहीं इंटर्नशिप में स्टाइपेन्ड मिलने से आपके लिए थोड़ी सहूलियत भी बढ़ जाती है।

इंटर्नशिप का समय है बेहद कीमती

इंटर्नशिप के समय का आप भरपूर फायदा उठा सकें, इसके लिए आपको पहले से ही अच्छी प्लानिंग करने की जरूत है। इस दौरान आप अपने क्वालिटी काम के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हो सकती हैं। आइए जानें कि आप इसके लिए सही स्ट्रेटेजी किस तरह से तैयार कर सकते हैं-

- जिस पेशे में जाने की सोच रहे हैं, उसके बारे में अच्छी रिसर्च करें। जिस कंपनी में इंटर्नशिप करना चाहते हैं, उसके वर्क कल्चर के बारे में भी जानें। इससे कंपनी में होने वाली गतिविधियों को आप बेहतर परिप्रेक्ष्य में समझ पाएंगी और कंपनी के बारे में जानने से आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।
- अपने काम की सराहना से जुड़े कागजात या ई-मेल अलग सेफ तरीके से रखें और इनका जॉब इंटरव्यू में इस्तेमाल करें। इससे इम्प्लॉयर्स पर आपके काम का अच्छा प्रभाव पड़ता है।
- इंटर्नशिप के दौरान एक काम खत्म कर लेने के बाद दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए उत्साह दिखाएं और सीनियर्स को बताएं कि आप किस तरह से उपयोगी साबित हो सकते हैं। इटर्न का ताजातरीन और अलग नजरिया अकसर कंपनी के लिए फायदेमंद साबित होता है।
- ऑफिस इंप्लॉईज के साथ लंच, कंपनी के किसी भी तरह के प्रोग्राम में जरूर हिस्सा लें। इससे आप उनके साथ अच्छी नेटवर्किंग डेवलप कर सकती हैं।
- टाइम पर ऑफिस पहुंचें और ड्रेस कोड का भी ध्यान रखें। इससे यह जाहिर होगा कि आप कितनी ज्यादा अनुशासित हैं।

इंटर्नशिप में दिए जाने वाले छोटे-छोटे काम भी इंपॉर्टेंट होते हैं, इसलिए उन्हें पॉजिटिविटी के साथ करें।

आपको बिना एग्जाम दिए भी मिल सकती है सरकारी नौकरी

आमतौर पर हर कोई चाहता है कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए। ऐसे में हम आज आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ऐसी नौकरी की जानकारी जिनके लिए आपको एग्जाम नहीं देना पड़ेगा।

अक्सर लोग सोचते हैं कि काश बिना एग्जाम क्लियर किए ही सरकारी नौकरी लग जाए। बता दें कि ऐसा सच में हो सकता है। अब आप सवाल करेंगे कि वो कैसे? दरअसल बहुत सारी सरकारी नौकरियां ऐसी भी हैं जिनके लिए एग्जाम नहीं देना पड़ता है।

300 सरकारी नौकरीयों के लिए नहीं देना पड़ता है पेपर

आमतौर पर हम लोग यही सोचते हैं कि सरकारी नौकरी के लिए एग्जाम देना पड़ता है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। भारत में लगभग 300 सरकारी नौकरी ऐसी हैं जिनके लिए आपको किसी भी तरह का एग्जाम नहीं देना पड़ेगा।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स में करें जॉब

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्वारा समय-समय पर सरकारी जॉब निकाली जाती हैं जिनके लिए आपको एग्जाम देने की जरूरत नहीं है। कंटेंट राइटर, एडीटर और रिसर्चर जैसे कई पदों के लिए मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स बिना एग्जाम के आवेदन मंगवाती है। इसके पढ़ाई और एक्सपीरियंस का अलग कराइटेरीया होता है। सभी उम्मीदवारों की योगया को ध्यान में रखकर ही सिलेक्शन होता है।

आईआरसीटीसी

आईआरसीटीसी में आप बिना पेपर दिए इंटर्नशिप पा सकते हैं। इसके साथ-साथ आईआरसीटीसी अलग-अलग पदों पर उम्मीदवारों का चुनाव करने के लिए वॉक इन भी निकालता है जिसका आवेदन कर आपको इंटरव्यू देना होगा जिसके बाद आपकी नौकरी लग जाएगी।

एनआईईपीआईडी

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एंपावरमेंट ऑफ पर्सन विद इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी विभाग द्वारा भी हॉस्पिटैलिटी मॉनिटर की भर्ती निकाली जाती है जिसे लिए आपको 35 हजार सैलरी के साथ और भी कई बेनिफिट मिलते हैं।

इंटर्नशिप भी है अच्छा विकल्प

सरकारी नौकरी के लगभग हर विभाग द्वारा इंटर्नशिप भी निकाली जाती हैं। इन इंटर्नशिप में आवेदन करने का एक निश्चित समय होता है। इंटर्नशिप करने पर मिलने वाला स्टाइपेंड काफी अच्छा होता है।

पहली बार में ही क्वालीफाई करना चाहते हैं यूजीसी नेट, तो इन टिप्स को फॉलो करें

अगर यूजीसी नेट का पैटर्न मालूम हो और कुछ टिप्स का ध्यान रखा जाए, तो आसानी से एग्जाम क्लीयर किया जा सकता है।

सरकारी नौकरी की चाहत किसे नहीं होती....हर कोई अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद यही चाहता है कि बस उसे कैसे भी करके सरकारी नौकरी मिल जाए। लोग सालों साल इनकी तैयारियों में लगे रहते हैं। सरकारी नौकरी पाने के बाद लोगों के दिन बदल जाते हैं, जिंदगियां बदल जाती हैं। यही वजह है कि देश की आबादी के लगभग 80 से 85 प्रतिशत लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे रहते हैं। अगर आप यूपी और बिहार से हैं, तब तो सरकारी नौकरी का महत्व आपसे बेहतर कोई नहीं समझता होगा। यहां के लोग सपना ही सरकारी नौकरी पाने का देखते हैं। इसलिए लोग एक राज्य से दूसरे राज्य जाकर एग्जाम की तैयारियां करते हैं। हालांकि, यह सिलसिला काफी पुराना है, भारत में सरकारी नौकरी एक अच्छी और सुकून भरी लाइफ की डेफिनेशन है। अगर आप किसी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, खासतौर से यूजीसी नेट की तो इस लेख में बताए गए टिप्स मददगार साबित हो सकते हैं।

यूजीसी नेट की तैयारी कैसे करें?

एग्जाम क्लीयर करने के लिए जरूरी है यूजीसी नेट के पैटर्न को समझना। बता दें कि नेट के परीक्षा में को प्रश्न पेपर होते हैं, जिसमें पहला पेपर बेसिक जीके का होता है। वहीं, दूसरा पेपर छात्रों के विषय के चुनाव पर आधारित होता है। यह वही विषय होता है जिसमें एग्जाम क्लीयर किया जाता है। मगर इसमें उन सब्जेक्ट को सेलेक्ट किया जा सकता है, जिसमें आपने बैचलर की डिग्री ली होगी।

पुराने प्रश्न को हल करें

अगर आपको पैटर्न मालूम है, तो बेस्ट रहेगा कि पुराने प्रश्न को हल किया जाए। इससे दो फायदे होंगे...पहला हमें पता चलेगा कि एग्जाम में किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं। दूसरा एग्जाम टाइम के अनुसार पूरा करने के लिए हमें किस-किस चीजों पर ध्यान देना है। इससे न सिर्फ नॉलेज बढ़ेगी बल्कि स्पीड भी बढ़ेगी। एग्जाम तैयारी के लिए ध्यान रखें कि लास्ट ईयर के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें, ताकि उन्हें उन सब्जेक्ट्स के बारे में आइडिया मिल सके।

सब्जेक्ट्स की लिस्ट बनाएं

पहली बार में एग्जाम को क्वालीफाई करना मुश्किल काम नहीं है। बस आपको थोड़ा फोकस करने की जरूरत है। तैयारी करने के लिए आपको बस रेफरेंस बुक्स, मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस पेपर्स पर फोकस करना है। साथ ही, एग्जाम को क्लीयर करने के लिए अहम सब्जेक्ट्स की लिस्ट बनाएं और फिर तैयारी करें। टाइम टेबल बनाएं और रोजाना टाइम के हिसाब से प्रैक्टिस करें। इससे परीक्षा की तैयारी स्पीड के साथ करने में मदद मिलेगी।

शॉर्ट नोट्स तैयार करें

तैयारी के दौरान हमेशा महत्तवपूर्ण टॉपिक्स या फॉर्मूला यानि कि सूत्र के शॉर्ट नोट्स जरूर तैयार करें। खुद बनाए गए नोट्स रिविजन के दौरान मदद करेंगे क्योंकि इसकी वजह से आपको पूरे पाठ को दोबारा पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप अपने शॉर्ट नोट्स की मदद से बहुत जल्द सभी पाठों का रिविजन कर सकेंगे।

फिनफ्लूएंसर्स पर भरोसा जताते हैं 93 फीसदी निवेशक

मुंबई, एजेंसी। निवेश करने के तमाम विकल्पों और सलाह देने वाले प्लेटफॉर्मों की भरमार के बावजूद 93 फीसदी निवेशक फिनफ्लूएंसर्स यानी वित्तीय राय देने वाले इन्फ्लूएंसर्स को विश्वसनीय मानते हैं। सात फीसदी ऐसे हैं जो बिल्कुल विश्वसनीय नहीं मानते हैं। सेबी के सर्वे में पता चलता है कि डिजिटल सहकर्मी समूह प्रतिभूति बाजार में उत्पादों की जानकारी वाले शीर्ष साधन बने हुए हैं। सर्वे में कहा गया है कि 62 फीसदी निवेशक कुछ या अधिकांश निवेश का निर्णय फिनफ्लूएंसर्स की सिफारिशों के आधार पर लेते हैं। फिनफ्लूएंसर्स को फॉलो करने के लिए सबसे ज्यादा 91 फीसदी निवेशक यूट्यूब का उपयोग करते हैं। 64 फीसदी इंस्टाग्राम का 61 फीसदी फेसबुक पर जाते हैं। 11 फीसदी ट्विटर व केवल चार फीसदी लिंक्डइन पर जाते हैं। प्रतिभूतियों के लिए जानकारी जुटाने के निवेशकों के सामान्य साधन में 59 फीसदी दोस्त, परिवार व सहकर्मी का योगदान होता है। सोशल मीडिया का योगदान 56 फीसदी होता है। ऑनलाइन निवेश के साधन जैसे टेलीग्राम, फेसबुक और रेडिट का 34 फीसदी निवेशक उपयोग करते हैं। जो लोग निवेश करना चाहते हैं वे प्रतिभूति बाजार के उत्पाद जटिलता और जोखिम एवं रिटर्न की चिंता से भरे हैं। इनकी मुख्य चिंताओं में नुकसान का डर, सीमित ज्ञान और पहुंच के साथ वित्तीय संस्थानों में कम विश्वास शामिल हैं। जो निवेश करने की इच्छा रखते हैं उनमें बाजार के जोखिमों के कारण पैसा खोने का डर है, खासकर स्टॉक में। जोखिमों के कारण 79 फीसदी को लगता है कि पैसा चला जाएगा। 67 फीसदी रिटर्न व प्रदर्शन की अनिश्चितता को लेकर चिंतित होते हैं।

जर्मनी के सेंट्रल बैंक के पास सबसे ज्यादा गोल्ड

होल्डिंग्स के साथ अमेरिका टॉप पर रहा

मुंबई, एजेंसी। सोने की कीमतों में इस साल तेज उछाल आया है। साल 2025 में अब तक गोल्ड प्राइसेज करीब 48 पर्सेंट तक बढ़े हैं। ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें 3896 डॉलर के लेवल तक जा पहुंचीं। दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों की तरफ से की जाने वाली खरीद, भूराजनीतिक चिंताओं और टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं से सोने के दाम को रफ्तार मिली है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक सेफ्टी, लिक्विडिटी और रिटर्न की वजह से गोल्ड सेंट्रल बैंक रिजर्व्स का अहम हिस्सा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई 2025 में दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों की ऑफिशियल गोल्ड होल्डिंग्स 36,359 टन रही। देशों की लिस्ट (अगस्त 2025 में) में अमेरिका टॉप पर रहा। अमेरिका के पास 8133.5 टन सोना है। वहीं, दूसरे नंबर पर जर्मनी है। जर्मनी के सेंट्रल बैंक का गोल्ड रिजर्व 3350.3 टन का है। आईएमएफ की गोल्ड होल्डिंग 2814 टन, इटली की 2451.8 टन और फ्रांस की होल्डिंग 2437 टन रही। यह बात बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में कही गई है। भारत लिस्ट में नौवें नंबर पर रहा। अगस्त 2025 में इसका गोल्ड रिजर्व 888 टन रहा। वहीं, जापान 846 टन के गोल्ड रिजर्व के साथ 10वें नंबर पर रहा। यह बात वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अपने एक नोट में कही है।

किसकी जेब में जा रहा जीएसटी फायदे का कट, डिस्ट्रीब्यूटर्स का तर्क

कंपनियों या डिस्ट्रीब्यूटर्स में मचा है घमासान!

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार का दावा है कि हाल में किए गए जीएसटी सुधारों से करीब 400 आइटम्स की कीमतें कम हो गई हैं। लेकिन ग्राहकों का कहना है कि उन्हें इसका फायदा नहीं मिल रहा है। खासकर एफएमसीजी उत्पादों में जीएसटी कटौती का फायदा ग्राहकों तक ठीक से नहीं पहुंच पा रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियां और डिस्ट्रीब्यूटर एक-दूसरे को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

सरकार भी इस मामले में गलत कंपनियों और उनके डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनर्स के खिलाफ कार्रवाई करने की योजना बना रही है। कुछ कंपनियों का कहना है कि इस मामले में गलती और देरी डिस्ट्रीब्यूटरों की तरफ से हो रही हैं। वहीं डिस्ट्रीब्यूटरों ने आरोप लगाया है कि कुछ कंपनियों ने जानबूझकर कुछ खास पैकेटों के मूल दाम बढ़ा दिए हैं। एक बड़ी डिस्ट्रीब्यूटर संस्था के प्रमुख ने कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर वही फायदा आगे दे सकते हैं जो कंपनियों की तरफ से सिस्टम में दिखता है। कुछ बड़े ब्रांड्स ने अपने कुछ पैकेटों के मूल दाम बढ़ा दिए हैं। इससे कीमतें कम नहीं हो रही हैं। उद्योग और व्यापार से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह गड़बड़ी खासकर 20 रुपये या उससे कम के पैकेटों में ज्यादा दिख रही है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि सीबीआईसीइस पर कार्रवाई कर सकता है। यह कार्रवाई उन ब्रांड्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के

खिलाफ होगी जिन्होंने जीएसटी दरें कम होने के बाद भी अपने सामानों के मूल दाम बढ़ा दिए थे। अधिकारियों ने यह भी बताया कि कानून में ऐसी कार्रवाई करने के लिए पूरे नियम मौजूद हैं। अब सरकार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी ध्यान दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले हफ्ते की शुरुआत में राजस्व विभाग इस मामले में आगे की कार्रवाई पर चर्चा करेगा। सीबीआईसी की एक अलग टीम ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर हो रहे लेन-देन की जांच कर रही है। ग्राहकों की ज्यादातर शिकायतें इन्हीं प्लेटफॉर्म्स से आई हैं। कई ग्राहकों ने बताया कि जीएसटी में कमी के बावजूद रोजमर्रा की जरूरी चीजों और किराने के सामान की कीमतें कम नहीं हुईं।

कब तक बनेगी बात: एक अधिकारी ने बताया कि कई बड़े पोर्टल्स ने नई टैक्स व्यवस्था के हिसाब से अपनी रेट लिस्ट अपडेट कर ली है। कुछ दिक्कतें खास उत्पादों से जुड़ी हैं। केंद्र सरकार ने पहले ही लगभग 800 ब्रांड्स और कंपनियों को चिट्ठी भेजी है। उन्हें 20 अक्टूबर से पहले इन गलतियों को ठीक करने को कहा गया है। यह उन मामलों में है जहां तकनीकी खराबी और सिस्टम अपडेट को वजह बताया जा रहा है।

कंपनियों की दलील

एचयूएल, कोलगेट-पामोलिव, हिमालया वेलनेस औरपरफ़ेटी वैन मेले जैसी एफएमसीजीकंपनियों के अधिकारियों ने इस मामले में अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि वे सभी फायदे ग्राहकों तक पहुंचा रहे हैं। नए पैकेटों और उनकी कीमतों को लेकर जो भी दिक्कतें हैं, वे बस कुछ समय के लिए हैं। लगभग सभी बड़ी एफएमसीजीकंपनियों ने विज्ञापन भी जारी किए हैं। इन विज्ञापनों में उन्होंने कम कीमतों पर बने सामानों की नई कीमतें बताई हैं। एचयूएल के एक प्रवक्ता ने कहा कि कुछ समय के लिए बाजार में पुराने और नए दोनों एमआरपी वाले उत्पाद मिल सकते हैं। ग्राहकों को खरीदारी से पहले संशोधित एमआरपी के बारे में पूछना चाहिए। व्यापारिक भागीदारों को यह जानकारी दे दी गई है कि वे जीएसटी दरों में कमी का फायदा अंतिम ग्राहकों तक पहुंचाएं।

सरकार का प्लान

वहीं देश की सबसे बड़ी ओरल केयर कंपनी कोलगेट पामोलिव- ने भी इस मामले पर अपनी बात रखी है। कंपनी ने कहा कि उसने कीमतों में कमी की है और 22 सितंबर से ही अपने चैनल पार्टनर्स को पूरा फायदा दे दिया है। कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर प्रभा नरसिम्हन ने कहा कि ग्राहकों को नवंबर की शुरुआत तक हमारे नए बाजार पैकेटों पर नई कीमतें देखने को मिलनी चाहिए। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ग्राहकों की शिकायतों पर लगातार नजर रख रही है। सीसीपीए ने अब तक लगभग 2,000 शिकायतें सीबीआईसी को भेजी हैं। इन शिकायतों में ग्राहकों ने जीएसटी के फायदे न मिलने की बात कही है।

कहां तक गिर गया भंडार, एफसीए में भी हुई भारी कमी, गोल्ड रिजर्व बढ़ा

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट, तब भी बढ़ा सोने का भंडार

मुंबई, एजेंसी। इन दिनों शेयर बाजार सही नहीं चल रहा है। बीते सप्ताह शेयर बाजार में खूब उठा-पटक दिखी। भारतीय शेयर बाजारों में लगातार आठ सत्र तक गिरावट दिखी। साथ ही डॉलर के मुकाबले अपना रुपया भी कमजोर हुआ। इस वजह से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से कमी दिखी है। बीते 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने फॉरेन करेंसी एसेट में 4 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी हुई है। हालांकि इसी सप्ताह सोने के भंडार में 2 अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी होने से कुल विदेशी मुद्रा भंडार में ज्यादा कमी नहीं हुई। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जबकि अपने विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। इसमें 396 मिलियनकी कमी हुई है। इससे पहले लगातार तीन सप्ताह तक इसमें बढ़ोतरी ही हुई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 सितंबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में

2.334 बिलियनकी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 396 मिलियनकी कमी हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 700.236 बिलियनका रह गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियनके रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में भारी कमी हुई है। 26 सितंबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ में 4.393 बिलियनकी कमी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार घट कर 581.757 बिलियनरह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

इस समय दुनिया के लगभग सभी देश सोने की खूब खरीदारी कर रहा है। अपने यहां भी ऐसा हुआ है। तभी तो बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में खूब बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 19 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 2.238 बिलियनकी बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 360 मिलियन की बढ़ोतरी हुई थी।

विदेशों निवेशकों के लिए नीति आयोग का सुझाव

मुंबई, एजेंसी। भारत ने विदेशी निवेशकों के लिए टैक्स व्यवस्था को और सरल और भरोसेमंद बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नीति आयोग ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि विदेशी कंपनियों के लिए अनुमानित कराधान योजना लागू की जाए। इस कदम का उद्देश्य निवेशकों को स्थिरता और स्पष्टता देना है ताकि भारत की ओर वैश्विक पूंजी का प्रवाह और तेज हो सके। नीति आयोग के कार्यपत्र में कहा गया कि यह वैकल्पिक योजना विदेशी कंपनियों को टैक्स विवादों से राहत देगी। इसमें स्थायी प्रतिष्ठान से जुड़े मामलों को आसान बनाया जाएगा और अनुपालन प्रक्रिया सरल होगी। यह योजना न केवल निवेशकों को भरोसा दिलाएगी बल्कि सरकार के राजस्व की सुरक्षा भी करेगी। आयोग ने कहा कि यह समाधान भारत के कराधान अधिकार और निवेशकों की सुविधा दोनों के बीच संतुलन बनाएगा। कार्यपत्र में बताया गया कि भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है लेकिन अस्पष्ट नियम और विवाद निवेशकों को असहज करते हैं। विशेषकर पीई रेगुलेशन की अस्पष्टता के कारण कई बार निवेशक असमंजस में रहते हैं। आयोग का मानना है कि अगर अनुमानित कराधान व्यवस्था लागू हो जाती है तो भारत की टैक्स व्यवस्था एक माइनफील्ड से बदलकर रोशनी से भरे रास्ते में बदल जाएगी, जिससे भारत की ग्लोबल बिजनेस इंडेक्स रैंकिंग में सुधार होगा। इस स्कीम के तहत विदेशी कंपनियां तय दर पर अपनी आय घोषित कर सकती हैं।

सिर्फ 2,000 रुपये से 30 लाख का टर्नओवर...

● जैविक खाद ने बना दिया जीरो से हीरो ● डिमांड के साथ बढ़ाया प्रोडक्शन ● दूसरे किसानों को भी सिखा रहे गुर

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के नवरंगपुर जिले के जितेंद्र मोहराणा को गजब की कामयाबी मिली है। महज 2,000 रुपये के छोटे निवेश से उन्होंने जैविक खाद बनाने का काम शुरू किया। इसे जितेंद्र ने एक सफल उद्यम में बदल दिया है। उनका छोटा-सा आइडिया अब 30 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर दे रहा है। उनके वेंचर का नाम खुशी एग्रो है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान यह काम शुरू किया था। उनका मकसद अपने बगीचे के लिए जैविक खाद बनाना था। लेकिन, जल्द ही उन्हें इसमें एक बड़ा अवसर दिखा। जितेंद्र का वेंचर आसपास के जिलों के साथ छत्तीसगढ़ तक जैविक खाद पहुंचाता है। इससे 15 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलता है। आइए, यहां जितेंद्र मोहराणा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शुरुआत में छोटे टैंकों में खाद बनाने वाले जितेंद्र ने बढ़ती मांग को देखते हुए जल्द ही आधुनिक तकनीकों को अपनाया। बड़े पैमाने पर खुले मैदान में उत्पादन शुरू कर दिया। उनकी खाद की खासियत यह है कि इसके लिए 90 प्रतिशत कच्चा माल स्थानीय गाय के गोबर से आता है। बाकी 10 प्रतिशत लकड़ी के चिप्स और सूखी पत्तियों को मिलाकर खाद को संरचनात्मक रूप से बेहतर बनाया जाता है। खुशी एग्रो नाम की अपनी फर्म बनाकर उन्होंने 1 किलो से लेकर 50 किलो तक की पैकेजिंग में वर्मीकम्पोस्ट को कालाहांडी, कोरापुट, बोलंगीर और यहां तक कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बाजारों तक पहुंचाया। इससे जितेंद्र के उत्पाद की विश्वसनीयता और गुणवत्ता दूर-दूर तक स्थापित हुई है। जितेंद्र मोहराणा की सफलता सिर्फ वित्तीय नहीं है। उन्होंने अपने गांव की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका फार्म अब 15 से ज्यादा पूर्णकालिक श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है। इनमें से कई पहले बेरोजगार थे।

छोटे-से आइडिया ने खोली तरक्की की राह

जितेंद्र मोहराणा ओडिशा के नवरंगपुर जिले के झारिगांव से ताल्लुक रखते हैं। उनकी कहानी की शुरुआत बहुत छोटे से आइडिया से होती है। यह आगे चलकर 30 लाख रुपये के सालाना टर्नओवर वाले सफल वेंचर में बदल जाता है। जतिंद्र ने सिर्फ 2,000 रुपये के शुरुआती निवेश से जियाखात यानी वर्मीकम्पोस्ट बनाने की शुरुआत की थी। इसका मूल उद्देश्य केवल अपने किचन गार्डन को सहारा देना था। कोरोना महामारी के दौरान उन्हें इस काम में पर्याप्त समय मिला। उन्होंने महसूस किया कि यह टिकाऊ तरीका न केवल उनकी उपज की गुणवत्ता बढ़ा रहा है, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी एक बड़ा व्यावसायिक अवसर हो सकता है।

इस दशहरा में 25 प्रतिशत घट गई सोने के जेवरों की बिक्री

साल भर में 48 प्रतिशत दाम बढ़े

ुंबई, एजेंसी। शारदीय नवरात्र/दुर्गा पूजा/दशहरा ा समय हिंदुओं के लिए पावन समय होता है। इस मय लोग छोटी-मोटी ही नहीं, बड़ी खरीदारी भी रते हैं। तभी तो इस साल नवरात्रे में टीवी-फिज- ाशिंग मशीन से लेकर कार तक की जबरदस्त बिक्री ई। इस समय लोग सोने के जेवरों की भी खरीदारी रते हैं। लेकिन इस साल दशहरा सोने के ारोबारियों के लिए फीका रहा। इस साल सोने के वरों और बुलियन की बिक्री 25 फीसदी घट गई ।

इस दशहरा पर सोना अपनी चमक इसलिए नहीं ख़ा पाया, क्योंकि उसकी कीमत बहुत ज्यादा हो गई । बहुत ज्यादा कीमतों के कारण कई ग्राहकों ने रीदारी से दूरी बना ली। उद्योग संगठन इंडिया लियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (के अनुसार, छले साल के मुकाबले सोने की बिक्री एक चौथाई 25 प्रतिशत) कम होकर 18 टन रह गई। पिछले ाल इसी अवधि में 24 टन सोने के जेवरों की बिक्री ई थी।

भारत में सोना सभी को भाता है। लेकिन यदि ोने की कीमत काबू से बाहर हो जाए तो लोग इसकी रीदारी कैसे करेंगे इस साल दशहरा बीते गुरुवार, दो

अक्टूबर को मनाया गया। उस दिन 10 ग्राम सोने का खुदरा भाव 1.16 लाख रुपये था। यह पिछले साल के दशहरा के 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 48 प्रतिशत ज्यादा है। ग्राहकों को सोने की कीमत के अलावा 3 प्रतिशत जीएसटी भी देना होता है। गहनों के डिजाइन के हिसाब से ज्वैलर्स 15-30 प्रतिशत मेकिंग चार्ज भी लेते हैं। राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता का कहना है कि पिछले साल का दशहरा बेहतर था। तब देश भर में 24 टन सोना बिका था। इस साल दशहरा पर कीमतें 1.16 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहीं। इससे मांग पर असर पड़ा है। उनका कहना है कि अब लोग नया सोना खरीदने के बजाय पुराने सोने की अदला-बदली काफी कर रहे हैं। मेहता ने आगे बताया, हालांकि, ग्राहकों ने सोना खरीदना शुरू कर दिया है।

इंट्रा-डे हाई से 11 प्रतिशत टूटा यह स्टॉक

आई है एक बड़ी खबर, रेखा झुनझुनवाला का भी लगा है कंपनी में पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी।
रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी बाजार स्टाइल रिटेल के शेयरों में आज भारी गिरावट देखने को मिली। कंपनी के शेयर इंट्रा-डे हाई से 11 प्रतिशत टूट कर 347.55 रुपये के लेवल पर आ गए थे। शुक्रवार की सुबह कंपनी के शेयर बीएसई में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहे थे। लेकिन उसके बाद बिकवाली के शिकार हो गए हैं। बता दें, मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर बीएसई में 5.99 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354.50 रुपये के लेवल पर आ गए।

दूसरी तिमाही में कंपनी ने 20 नए स्टोर्स खोले हैं। जबकि 2 बंद हुए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी का फुटप्रिंट 42 नए एडिशन में हुआ है।

कंपनी के शेयर बीएसई में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी हासिल करने में सफल रहे थे

सितंबर तिमाही के डाटा के अनुसार रेखा झुनझुनवाला के पास बाजार स्टाइल रिटेल की कुल कंपनी में हिस्सेदारी 3.4 प्रतिशत की है। जिसकी वैल्यू 99 करोड़ रुपये है।

कंपनी ने दिया बिजनेस अपडेट

जुलाई से सितंबर 2025 के दौरान कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशन्स से) से सालाना आधार पर 71 प्रतिशत की उछाल के साथ 532 करोड़ रुपये रहा है। एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने कहा है कि सेल्स पर स्क्वायर फीट 865 रुपये प्रति माह रहा है। वहीं, पहली छमाही में यह 768 रुपये प्रति महिना रहा है। कंपनी ने बताया है कि वो 250 स्टोर को ऑपरेट करते हैं।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा

बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 6 महीने में इस स्टॉक का भाव 7 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 13 प्रतिशत से अधिक का नुकसान हो चुका है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 428.20 रुपये और 52 वीक लो लेवल 181 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2645.19 करोड़ रुपये का है। उसके बाद बिकवाली के शिकार हो गए हैं। बता दें, मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर बीएसई में 5.99 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354.50 रुपये के लेवल पर आ गए।

ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए टीम का ऐलान

रोहित से वनडे की कप्तानी छीनी

अब कमान गिल के हाथों में, श्रेयस उपकप्तान, रोहित-विराट खेलेंगे बतौर खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की वनडे टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। रोहित शर्मा से वनडे कप्तानी छीनकर इसे शुभमन गिल के हाथों में सौंपा गया है। गिल पहले से ही टेस्ट टीम के कप्तान हैं। श्रेयस अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली बतौर खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी।

कंगारुओं से 3 एकदिवसीय व 5 टी-20 खेलेगी टीम इंडिया

पहला वनडे 19 अक्टूबर को पर्थ में, दूसरा 23 अक्टूबर को एडिलेड में और तीसरा 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। इसके बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे।

भारत की वनडे और टी-20 टीम

- **वनडे :** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।
- **टी-20 :** सूर्यकुमार (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

टीम इंडिया की अहमदाबाद टेस्ट में बड़ी जीत

● वेस्टइंडीज ने तीसरे ही दिन टेके घुटने, जडेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पारी और 140 रनों से जीत हासिल की. वेस्टइंडीज की दूसरी पारी खेल के तीसरे दिन (4 अक्टूबर) लंच के बाद 146 रनों पर सिमट गई. भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन किया. उन्होंने शतक जड़ने के अलावा दूसरी पारी में चार विकेट झटके.

मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 448 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी.

भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 286 रनों की लीड मिली. वहीं वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रनों पर सिमट गई थी. दोनों टीम्स के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा. दूसरी पारी में भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशानजक रहा. 50 रनों के अंदर ही मेहमान टीम के पांच विकेट गिर गए. रवींद्र जडेजा ने जॉन कैम्पबेल (14 रन), ब्रैंडन किंग (5 रन) और शाई होप (1 रन) को चलता किया. वहीं मोहम्मद सिराज ने तेजनारायण चंद्रपॉल (8 रन) को पवेलियन भेजा.

चाइनामैन कुलदीप यादव ने कप्तान रोस्टन चेज को सस्ते में आउट किया. पांच विकेट गिरने के बाद एलिक अथानाज (38 रन) और जस्टिन ग्रीव्स (25 रन) ने मिलकर 46 रनों की साझेदारी की. इस पार्टनरशिप के टूटने के बाद भारत की जीत महज औपचारिकता थी. दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट झटके. वहीं मोहम्मद सिराज को तीन सफलताएं हासिल हुई. कुलदीप यादव ने दो और वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिए.

दोस्ताना मुकाबलों के लिए लौटारो रिवेरो अर्जेंटीना की टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिवर प्लेट के डिफेंडर लौटारो रिवेरो को अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। लौटारो उन तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मैचों के लिए चुना गया। अर्जेंटीना 10 अक्टूबर को मियामी में वेनेजुएला के खिलाफ खेलेगा। इसके तीन दिन बाद यह टीम शिकागो में प्यूर्टो रिको को चुनौती देगी। रेसिंग क्लब के गोलकीपर फाकुंडो कैम्बेसिस और

पाल्मेरास के मिडफील्डर एनीबल मोरेनो को भी पहली बार अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने टीम में जगह दी है। ये मुकाबले इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाने हैं। इनके अलावा, स्कालोनी ने बॉर्नमाउथ के डिफेंडर मार्कोस सेनेसी को एक बार फिर टीम में शामिल किया गया है, जबकि चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज निलंबन के कारण सितंबर में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स से बाहर रहने के बाद एक बार फिर वापसी कर रहे हैं।

अर्जेंटीना की टीम में एमिलियानो मार्टिनेज, खेरोनिमो रूली, वाल्टर डेनियल बेनितेज और फाकुंडो कैम्बेसिस को गोलकीपिंग का जिम्मा सौंपा गया है। इस टीम की कमान लियोनेल मेस्सी को सौंपी गई है। खेमे में लिवरपूल के मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फ्रेंको मस्तंतुओनो, एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड जूलियन अल्वारेज और इंटर मिलान के स्ट्राइकर लौटारो मार्टिनेज भी शामिल हैं। लियोनेल मेस्सी गोट टूर 2025 के लिए दिसंबर में भारत आने की पुष्टि कर चुके हैं। चार शहरों का यह दौरा 13 दिसंबर को कोलकाता से शुरू होगा, जिसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में समाप्त होगा।

बीएफआई कप

मुक्केबाज हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने जीते अपने-अपने मुकाबले; बीएफआई कप के अगले दौर में जगह बनाई

चेन्नई, एजेंसी। हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेना के मोहम्मद हुसामुद्दीन ने बीएफआई कप एलीट पुरुष मुक्केबाजी टूर्नामेंट के पहले दौर में हर्ष को 5-0 से हराया। महिला वर्ग में अंडर 22 एशियाई कांस्य पदक विजेता भावना शर्मा (रेलवे) ने सिमरन को 48 से 51 किलोवर्ग में 3-2 से मात दी। वहीं, राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल ने रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर जीत दर्ज की। इस तरह हुसामुद्दीन, भावना और पार्थवी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस टूर्नामेंट से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को एलीट राष्ट्रीय शिविर में जगह मिलेगी।

पैरा चैम्पियशिप

कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।

चाईना ओपन

पेगुला चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी अमेरिकी

नवारो को हराया; अब नोसकोवा से सामना

बीजिंग, एजेंसी। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया। जेसिका पेगुला चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अमेरिका की तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया और

अंतिम चार में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने शुरुआत में छह सेट प्वाइंट गंवाए, लेकिन अगले दो सेट में उन्होंने दबदबा बनाया और 6-7 (2), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला का सामना अब लिंडा नोसकोवा से होगा जिन्होंने ब्रिटेन की सेनाय कार्टल को 6-3, 6-4 से हराया।

पेगुला ने कहा, मैंने खुद से कहा कि ज्यादा निराश मत हो और सिर्फ शांत बनी रहो। मैंने रिलेक्स होने की कोशिश की और गेम प्लान पर आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इससे मुझे खुलकर खेलने का मौका मिला। 20 साल की नोसकोवा डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी हैं। एक अन्य सेमीफाइनल में गत चैंपियन कोको गॉफ का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से होगा।

पाकिस्तान में ट्रॉफी चोर को इनाम!

● मोहसिन नकवी को मिलेगा गोल्ड मेडल, साहसिक कदम बताकर की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और एशियन क्रिकेट काउंसिल (ष्ट) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार किसी क्रिकेट उपलब्धि के लिए नहीं, बल्कि एक अजीब वजह से. एशिया कप 2025 के फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी 'ड्रामा' के बाद अब उन्हें पाकिस्तान में शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो उत्कृष्टता स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा. जी हां, वो ही नकवी जिन्हें भारत के खिलाड़ियों ने फाइनल के बाद ट्रॉफी लेने से साफ इनकार कर दिया था, अब उन्हें पाकिस्तान में 'साहस और सिद्धांत' का प्रतीक बताया जा रहा है.

क्यों मिल रहा है गोल्ड मेडल?

रिपोर्ट के मुताबिक, यह फैसला सिंध और कराची बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट गुलाम अब्बास जमाल ने लिया है. जमाल ने कहा कि मोहसिन नकवी ने भारत के दबाव में न झुकते हुए राष्ट्रीय गर्व को ऊंचा किया और इसी 'वीरता' के लिए उन्हें यह गोल्ड मेडल दिया जाएगा. उनके मुताबिक, नकवी ने राजनीतिक और खेल दोनों मोर्चों पर पाकिस्तान की शान को बरकरार रखा.

असल में क्या हुआ था?

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान विवाद हो गया था. रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही तय कर लिया था कि अगर मोहसिन नकवी ट्रॉफी सौंपेंगे तो वे उसे नहीं लेंगे. जब नकवी मंच पर पहुंचे, तो भारतीय कप्तान और खिलाड़ी ट्रॉफी से दूरी बनाकर खड़े रहे.

अब 'बेइज्जती' पर 'गर्व' मना रहा पाकिस्तान- दुनियाभर में इस घटना की आलोचना हुई। क्रिकेट फैंस से लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया, लेकिन पाकिस्तान में नकवी को मजबूत नेता और देश की प्रतिष्ठा के रक्षक के रूप में पेश किया जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान में कुछ राजनीतिक और खेल संगठनों ने नकवी की तारीफ करते हुए उन्हें 'राष्ट्रीय नायक' बताया है.

पाकिस्तान के खिलाफ भारत आजमाएगा अपनी ताकत

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें इस रविवार वनडे विश्व कप 2025 में आमने-सामने होंगी। पिछले तीन रविवार को पुरुष टीमों के नाटकीय मुकाबलों के बाद अब यह मुकाबला कौशल के साथ भावनाओं की जंग भी होगा। भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मुकाबले बेहद मजबूत है ङ्क दोनों टीमों ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27 मुकाबले खेले, जिनमें भारत ने 24 और पाकिस्तान ने केवल 3 जीते हैं।

वनडे में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 में से सभी मैच जीते हैं। भारत ने टूर्नामेंट में पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया, जबकि पाकिस्तान को बांग्लादेश ने सात विकेट से मात दी। भारत की

नजर अब नेट रनरेट बेहतर करने पर है, जो टूर्नामेंट के अंतिम चरण में निर्णायक हो सकता है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। पहले मैच में छह विकेट 124 रन पर गिरने के बाद निचले मध्यक्रम ने 47 ओवर में 250 से अधिक रन बनाए। भारत की ताकत उसकी बल्कि मजबूत बल्लेबाजी है, लेकिन पाकिस्तान जैसी टीम के खिलाफ बल्लेबाजों को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान की चिंता उसकी बल्लेबाजी रही, पहले मैच में उसके बल्लेबाज पूरी तरह संघर्ष में रहे। फातिमा सना और डायना बेग ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन स्कोर छोटा रहा।

बदल गया कप्तान, रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

अब इस टीम की संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारों में शुमार रजत पाटीदार को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है. पिछले कुछ समय में उन्होंने बतौर कप्तान काफी शानदार प्रदर्शन किया है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद पहली IPL ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभा चुके रजत पाटीदार ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल में सेंट्रल जोन की टीम को खिताब जीता था. अब वहमध्य प्रदेश रणजी टीम की कमान संभालने वाले हैं.

रजत पाटीदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए रजत पाटीदार को अपनी टीम का कप्तान बनाने का ऐलान किया है. वह आगामी रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में शुभम शर्मा की जगह लेंगे. मध्य प्रदेश ने 2022 में

अपना पहला रणजी खिताब जीता था, और अब पाटीदार की कप्तानी में टीम उस सफलता को दोहराने का लक्ष्य रख रही है. वह फिलहाल इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं, जहां वह रणजी चैंपियन विदर्भ के खिलाफ खेल रहे हैं. मध्य प्रदेश की 15 सदस्यीय टीम में बल्लेबाजी मजबूत रखने के लिए यश दुबे, हर्ष गौली और शुभम शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं. वहीं, गेंदबाजी विभाग में तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और आर्यन पांडेय के साथ-साथ स्पिनर कुमार कार्तिकेय और सरांश जैन टीम को संतुलित बनाएंगे. वहीं, हिमांशु मांटरी, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, अधीर प्रताप, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल भी टीम में शामिल हैं. बता दें, रणजी ट्रॉफी 2025-26 दो फेज में खेली जाएगी. पहला फेज 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होगा, जबकि दूसरा फेज 22 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगा. इसके बाद नॉकआउट स्टेज 6 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा.

सैयारा के बाद अहान पांडे के हाथ लगी यशराज की फिल्म!

अहान पांडे अपनी पहली ही फिल्म से सुपरस्टार बन गए हैं। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा ने उन्हें उस पायदान पर पहुंचा दिया, जिसके लिए तमाम सितारों को कई वर्ष संघर्ष करना पड़ता है। इन दिनों अहान की अगली फिल्मों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अहान ने यशराज फिल्म्स की अगली मूवी साइन कर ली है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ऐसी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। दूसरी तरफ हाल ही में अहान को संजय लीला भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया है।

यशराज फिल्म्स के दूसरे प्रोजेक्ट में एंट्री

अहान पांडे की अगली फिल्म का दर्शक बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं और उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर अपडेट चाहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अहान पांडे ने सैयारा के बाद ब्लॉकबस्टर की दूसरी फिल्म साइन की है, जो एक्शन रोमांस फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अली अब्बास जफर संभालेंगे। हालांकि, इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या वाकई अहान के हाथ यशराज फिल्म्स की अगली फिल्म लग गई है? या यह महज अफवाह है। इसके अलावा फिल्मी गलियारों में सुगबुगाहट यह भी शुरू हो गई है कि अहान नामी निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। दरअसल, हाल ही में अहान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अहान के फैंस हुए क्रेजी

अहान पांडे के फैंस क्रेजी हो रहे हैं कि क्या वे भंसाली के साथ फिल्म करने वाले हैं? नेटिजन्स लिख रहे हैं, अहान और भंसाली...अगर वाकई दोनों साथ आते हैं तो कुछ धमाल होगा। एक यूजर ने लिखा, अगर अहान और संजय लीला भंसाली साथ काम करते हैं तो यह एक बड़ी डील होगी।

होमबाउंड फिल्म देखकर अनीत ने साझा की भावनाएं

ईशान-जान्हवी को लेकर कहा

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री अनीत पड्डा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड देखने के बाद अपने भावनाओं को साझा किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव को खुलकर लिखा और बताया कि वो फिल्म देखने के बाद काफी भावुक हो गईं।

अनीत ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी में लिखा कि फिल्म को निर्देशक नीरज घेवान ने जिस संवेदनशीलता और धैर्य के साथ पेश किया, वो अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि निर्देशक ने कहानी को बेहद नाजुक, लेकिन मजबूत तरीके से प्रस्तुत किया। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि जिस तरीके से नीरज ने किरदारों को समझा और उनके भावों को पर्दे पर उतारा, वह फिल्म को देखने के अनुभव को लंबे समय तक जीवंत बनाए रखता है।

कलाकारों की भी तारीफ

फिल्म में ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा नजर आ रहे हैं। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन ना कर पा रही हो, लेकिन अनीत ने स्टारकास्ट के काम की सराहना करते हुए लिखा कि इन कलाकारों ने पूरी ईमानदारी और साहस के साथ निर्देशक की दृष्टि को पर्दे पर उतारा। उन्होंने बताया कि फिल्म के माध्यम से दर्शकों को अपने जीवन के अंशों से जुड़ाव महसूस हुआ और यह अनुभव बहुत ही व्यक्तिगत और संवेदनशील था।

करण जौहर को कहा धन्यवाद

अनीत पड्डा ने निर्माता करण जौहर का भी धन्यवाद किया और कहा कि उनकी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा, मैं नम आंखों के साथ बाहर निकली, लेकिन काफी हल्कापन महसूस हुआ। इसके लिए धन्यवाद।

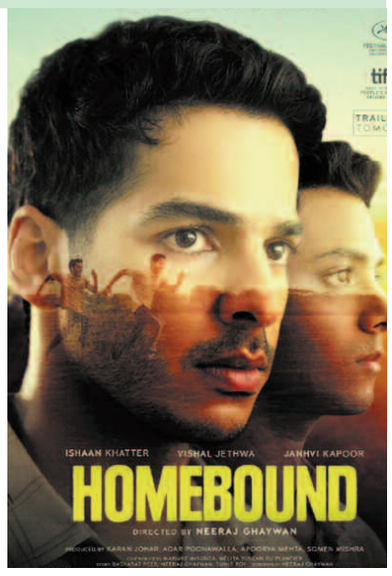

फिल्म की कहानी

होमबाउंड में ईशान का किरदार शोएब और विशाल का किरदार चंदन मापूर की पृष्ठभूमि में अपनी महत्वाकांक्षाओं, सामाजिक पूर्वाग्रहों और दोस्ती की कसौटी पर खड़े उतरते है या नहीं, यही दिखाया गया है। कहानी में दोनों के व्यक्तिगत और पेशेवर संघर्ष दिखाए गए हैं, जो उनके सपनों और रिश्तों को चुनौती देते हैं। चंदन पुलिस की परीक्षा में सफल हो जाता है, जबकि शोएब असफल हो जाता है, जिससे उनकी दोस्ती पर असर पड़ता है।

फिल्म को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन्स के तहत निर्मित किया गया और इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि 2026 ऑस्कर के लिए चुना गया। इसके अलावा फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर कर अपनी कला का लोहा मनवाया।

क्या साथ काम करने वाले हैं करण जौहर और मलाइका अरोड़ा?

फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर और एक्ट्रेस-मॉडल मलाइका अरोड़ा साथ काम करने वाले हैं। किसी आगामी प्रोजेक्ट में दोनों के बीच साझेदारी हुई है। दरअसल, इस तरह के दावे उस टीजर वीडियो की रिलीज के बाद किए जा रहे हैं, जो आज बुधवार को करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से शेयर किया है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे और मलाइका फोन पर क्रिप्टिक अंदाज में बात कर रहे हैं, जिसमें कचिंग कचिंग की साउंड सुनाई दे रही है। करण जौहर ने बहुत ज्यादा डिटेल तो शेयर नहीं की हैं, मगर आने वाले दिनों में इससे जुड़ी अधिक जानकारी देने की बात करी है।

जल्द बताएंगे क्या है कचिंग?

वीडियो में करण जौहर फोन पर मलाइका से कहते हैं, हे मल्ला...कचिंग कचिंग कचिंग। उधर से मलाइका कहती हैं, कचिंग कचिंग। इसके बाद करण जौहर दर्शकों की तरफ देखते हुए कहते हैं, कचिंग के बारे में जानना चाहते हैं? तो बने रहिए साथ। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कचिंग! ये साउंड नहीं, टेकओवर है। इसके अलावा लिखा है, बिग आइडिया बिग मनी।

मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी

हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं। इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है। बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म कल्कि एडी 2898 से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

द ताज स्टोरी देखे बगैर दर्शक कोई राय न बनाएं

द ताज स्टोरी के नए पोस्टर को लेकर उठे विवाद पर फिल्म के निर्माता और दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। परेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास अभिनीत यह फिल्म चर्चा में तब आई, जब हाल ही में जारी पोस्टर में परेश रावल को ताजमहल के गुंबद को हाथों में थामे दिखाया गया, जिसके भीतर शिवलिंग स्थापित था। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद मेकर्स ने स्थिति साफ करने का निर्णय लिया। गौरतलब है कि इससे पहले परेश रावल ने एक पोस्टर साझा किया था और कैप्शन में लिखा था- क्या हो, अगर अब तक आपको सिखाई गई हर बात झूठ हो? सच्चाई सिर्फ छिपी नहीं है, बल्कि उसका फैसला किया जा रहा है। द ताज स्टोरी के साथ 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में सच को उजागर करें।) स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, में परेश रावल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

ओटीटी से फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है

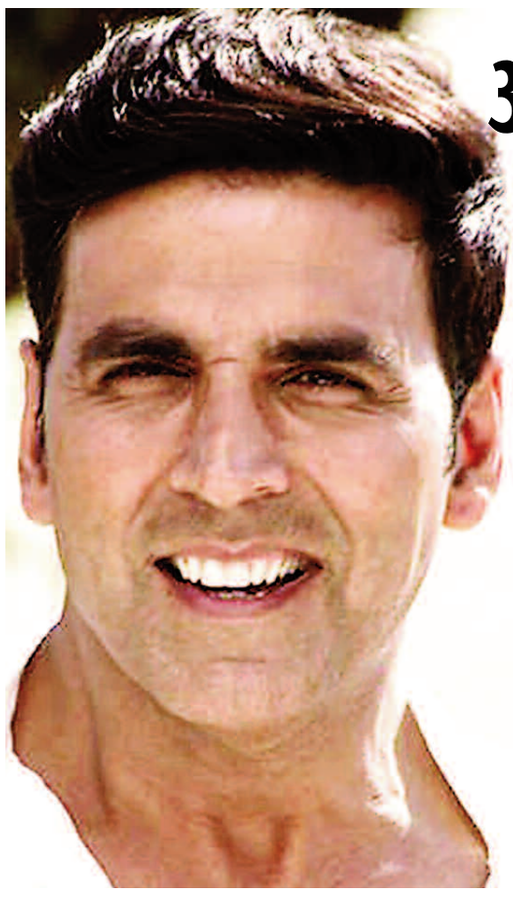

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे। इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।

हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।